आज का विचार
जिंदगी सिगरेट की तरह होती है इंजॉय करो वना सुलग तो रही ही है खत्म तो वैसे भी हो जाएगी।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 22 मई, 2025 | वर्ष 23, अंक 127, मूल्य: 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

बी.बी.एम.बी. ने पंजाब से 32 करोड़ रुपये लिए, एक भी रुपया वापस नहीं किया : भगवंत मान

भगवंत मान ने कहा, अगर हम 532 किलोमीटर की सीमा की रक्षा कर सकते हैं, तो हम अपने पानी की भी रक्षा कर सकते हैं

संवाददाता
नंगल (रूपनगर)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) के पुनर्गठन का मुद्दा शनिवार को होने वाली नीति आयोग की बैठक में उठाएगी। आज यहां एक विजयी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मुद्दे को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि पानी का स्तर बार-बार बदल रहा है, इसलिए हर जल समझौते की हर 25 साल बाद समीक्षा की जानी चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब जमीनी सीमाओं से जुड़ा राज्य है, जिसने देश को खाद्य आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने एकमात्र उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन पानी और उपजाऊ मिट्टी का बेरहमी से उपयोग किया।

मुख्यमंत्री ने खेद व्यक्त किया कि जिस तरह से बी.बी.एम.बी. राज्य के पानी के जायज हिस्से को छीनने के लिए एक पक्ष बन गया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने इस साल मार्च में अपने हिस्से का पानी खत्म कर दिया था, लेकिन बी.बी.एम.बी. ने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार की कठपुतली की तरह काम किया ताकि राज्य का पानी छीना जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आश्चर्यजनक बात यह है कि बी.बी.एम.बी. के चेयरमैन खुद राज्य के पानी की चोरी के लिए नंगल आए, जिसे राज्य के लोगों ने नाकाम कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही बी.बी.एम.बी. है, जिसने अपने बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए पंजाब से 32 करोड़ रुपये लिए थे और यह पैसा कभी भी राज्य को वापस नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब का बी.बी.एम.बी. के पास लगभग 150 करोड़ रुपये (सही मायने में 142 करोड़ रुपये) बकाया हैं और राज्य सरकार जल्द ही इस पैसे की वसूली के लिए दावा करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बी.बी.एम.बी. द्वारा पंजाब के कोटे की तीन हजार रिक्तियां जानबूझकर नहीं भरी गई हैं ताकि पानी पर राज्य के दावे को कमजोर किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन रिक्तियों को जल्द से जल्द भरा जाएगा ताकि राज्य के हितों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि नंगल जैसे टाउनशिप जो कि सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किया गया था, बी.बी.एम.बी. की लापरवाही के कारण बर्बाद हो गया है, जो वास्तव में निंदनीय है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के पानी को छीनने के लिए बी.बी.एम.बी., केंद्र के हाथों में खेला लेकिन राज्य के बहादुर और मेहनती किसानों ने उनके नापाक प्रयासों को नाकाम कर दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि पंजाबियों ने साबित कर दिया है कि अगर वे देश की सीमाओं की रक्षा कर सकते हैं, तो वे राज्य के पानी को भी बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब का पाकिस्तान से लगती 532 किलोमीटर लंबी सीमा की रक्षा के लिए महान बलिदान देने का शानदार इतिहास है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस बार भी पंजाबी पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने में सबसे आगे थे और दूसरी ओर पंजाबियों ने अपने हिस्से का पानी भी बचाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 20 दिनों तक राज्य के मेहनती और जागरूक लोगों ने हरियाणा और केंद्र को पंजाब से एक भी बूंद पानी चोरी नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि सालों से बी.बी.एम.बी. के माध्यम से पंजाब के पानी को दूसरे राज्यों की ओर मोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, अकाली और भाजपा के हाथ पंजाबियों के खून से रंगे हुए हैं क्योंकि इन पार्टियों ने अपने निजी हितों के लिए राज्य के पानी के अधिकारों को नजरअंदाज कर के लोगों की पीठ में छुरा घोंपा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के पहले नेताओं ने कई मुद्दों पर राज्य के हितों की बजाय अपने हितों को महत्व देकर लोगों की पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री को सतलुज-यमुना लिंक (एस.वाई.एल) नदी की योजना बनाने और इसके सर्वेक्षण के आदेश जारी करने के लिए गुड़गांव में प्लॉट मिला था, जहां आज उनका आलीशान होटल है। भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि पंजाब के पानी के स्व-घोषित रक्षक पूर्व मुख्यमंत्री ने कपूरी में एस.वाई.एल के शिलान्यास समारोह के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री को चांदी की कुल्हाड़ी भेंट की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बी.बी.एम.बी. वास्तव में सतलुज और ब्यास नदियों के पानी के प्रबंधन के लिए स्थापित की गई थी, लेकिन सालों से पंजाब का पानी बी.बी.एम.बी. के माध्यम से दूसरे राज्यों की ओर मोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिए इस बोर्ड का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

जल्द भरे जाएंगे जेल वार्डरों के 1300 पद : नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने करनाल में जेल प्रशिक्षण अकादमी का किया उद्घाटन

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज जेल विभाग में बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य की न्यायिक और सुधारात्मक प्रणाली को और मजबूत करने के लिए जेल वार्डरों के लगभग 1300 पद जल्द ही भरे जाएंगे। साथ ही, जेल विभाग में मेडिकल और पैरामेडिकल रिक्तियों के साथ-साथ करनाल में नवनिर्मित जेल प्रशिक्षण अकादमी के लिए आवश्यक स्टाफ के पदों को भी जल्द ही भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने करनाल में जेल प्रशिक्षण अकादमी का उद्घाटन करने के बाद ये घोषणाएं कीं, जिसका उद्देश्य जेल कर्मियों को सुधार, पुनर्वास और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना है। 6.5 एकड़ में फैली और 3.29 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस अकादमी में ऊर्जा कुशल और तापमान अनुकूल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश से पंचकूला, दादरी और फतेहाबाद में नई जेलों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, करनाल में जिला जेल परिसर में एक गौशाला भी शुरू की जाएगी।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नई जेल प्रशिक्षण अकादमी सुधार प्रणाली में परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक इमारत का उद्घाटन नहीं है, यह एक नए दृष्टिकोण के परिवर्तन और एक अन्य विजन की शुरूआत है। हमारी जेलें केवल सजा नहीं, बल्कि बदलाव, पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण का केंद्र बननी चाहिए। नवनिर्मित अकादमी में नए भर्ती किए गए लोगों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण और मौजूदा कर्मचारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रदान किए जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि जेल विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकों, मानवाधिकारों और कैदी सुधार के मनोवैज्ञानिक पहलुओं में प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ, हमारे जेल कर्मचारियों को न केवल अनुशासन के साधनों से सुसज्जित करना आवश्यक है, बल्कि सहानुभूति, न्याय और सामाजिक पुनर्वास की भावना से भी लैस करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र एक विकसित और तकनीकी रूप से सशक्त भारत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका एक ताजा उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला, जहां दुनिया ने भारत की तकनीकी विशेषज्ञता, परिचालन दक्षता और रणनीतिक कौशल को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि शासन और लोक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों के अनुरूप, हरियाणा भी स्मार्ट जेल स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जहां आधुनिक उपकरण और प्रणालियां जेल प्रबंधन में सुधार लाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जैसे-जैसे भारत अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है, यह अकादमी न्याय और सुधार प्रणाली में सुधार और नवाचार का एक स्तंभ बनकर उभरेगी।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने जेल के कैदियों द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और नई जेल अकादमी का भी दौरा किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जेल सुधारों को प्राथमिकता दी गई: डॉ. अरविंद शर्मा

इस अवसर पर बोलते हुए, सहकारिता एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में जेल विभाग द्वारा की जा रही प्रगतिशील पहलों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जेलों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है और समग्र प्रबंधन में सुधार तथा बेहतर पुनर्वास परिणाम सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम तकनीक से सुसज्जित किया जा रहा है। जेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. शर्मा ने कहा कि आज, जेल केवल कारावास के केंद्र नहीं हैं, वे परिवर्तन के स्थान हैं जहां कैदी सुधरे हुए और बेहतर व्यक्ति बनकर निकलते हैं। उन्होंने कहा कि कैदी जेल प्रणाली के भीतर शुरू किए गए विभिन्न कौशल-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से जेल राजस्व में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। डॉ. शर्मा ने मुख्यमंत्री से साप्ताहिक गीता श्लोक सत्र शुरू करने और राज्य की सभी जेलों में नियमित योग कक्षाएं आयोजित करने का भी आग्रह किया।

सरकार जेल विभाग को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीकों में कर रही निवेश: सुमिता मिश्रा

गृह एवं जेल विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने जेल प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए इसे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के विजन और सहयोग से साकार किया गया एक प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह की आधुनिक और विशिष्ट जेल प्रशिक्षण सुविधा पड़ोसी राज्यों में उपलब्ध नहीं है और संभवत यह उत्तर भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा होगी। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार जेल विभाग को आधुनिक बनाने के लिए उन्नत तकनीकों में सक्रिय रूप से निवेश कर रही है। जेल महानिदेशक, मोहम्मद अकील ने भी इस अवसर पर बोलते हुए नव स्थापित जेल प्रशिक्षण अकादमी में उपलब्ध सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद, योगेंद्र राणा, भगवान दास कबीरपंथी, सुनील सांगवान, करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पार्टी, राहुल को बदनाम करने के लिए मालवीय और गोस्वामी के खिलाफ कार्रवाई हो: कांग्रेस

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस ने पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित अपमानजनक पोस्ट के लिए शिकायत दर्ज कराये जाने के बाद बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आईटी प्रकोष्ठ प्रमुख अमित मालवीय और पत्रकार अर्णब गोस्वामी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दोनों के खिलाफ दिल्ली और कर्नाटक सहित देश के विभिन्न हिस्सों में कई शिकायतें दर्ज की गई हैं। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस पार्टी ने अमित मालवीय और अर्णब गोस्वामी के खिलाफ आपराधिक शिकायतें दर्ज कराई थीं, जिन्हें अब प्राथमिकी में बदल दिया गया है। अब ये दोनों अदालत की शरण लेंगे और सुरक्षा की मांग करेंगे। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि अदालतें इन आदतन अपराधियों की बार-बार और जानबूझकर की गई दुर्भावनापूर्ण हरकतों से राष्ट्र को पहुंचाए गए गंभीर नुकसान पर गंभीरता से विचार करेंगी। भारतीय युवा कांग्रेस के विधि विभाग ने कर्नाटक में मालवीय और गोस्वामी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने, अशांति फैलाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का यह दुर्भावनापूर्ण प्रयास लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, हम चुप नहीं रहेंगे। इस प्राथमिकी के माध्यम से हम यह स्पष्ट संदेश देना चाहते है कि हमारी पार्टी या उसके नेतृत्व के खिलाफ फर्जी खबरें फैलाने के किसी भी प्रयास का सख्त कानूनी और राजनीतिक जवाब दिया जाएगा। युवा कांग्रेस के विधि विभाग के अध्यक्ष रूपेश भदौरिया ने कहा, हमने मालवीय और गोस्वामी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। कांग्रेस नेतृत्व को बदनाम करने और अशांति भड़काने के उनके प्रयास ने हर सीमा को पार कर दिया है। प्राथमिकी में दोनों पर फर्जी खबरें फैलाने, नफरत भड़काने और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की याचिका पर सुनवाई से न्यायालय का इनकार

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि 8 मई को शीर्ष अदालत द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अंकित है कि भारत के प्रधान न्यायाधीश ने आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट और न्यायाधीश के जवाब को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेज दिया है। पीठ ने कहा, आदेश की मांग करने से पहले याचिकाकर्ता को उचित प्राधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखकर अपनी शिकायत का निवारण करना होगा। इसलिए हम इस रिट याचिका पर विचार करने से इनकार करते हैं। इस स्तर पर अन्य याचिकाओं पर गौर करना आवश्यक नहीं है। आंतरिक जांच समिति द्वारा वर्मा को दोषी ठहराए जाने के बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उन्हें इस्तीफा देने का संकेत दिया था। जब न्यायमूर्ति वर्मा ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया तो खन्ना ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा। विवाद के बीच वर्मा का स्थानांतरण दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय कर दिया गया। अधिवक्ता मैथ्यूज नेदुम्परा और तीन अन्य द्वारा दायर याचिका में आपराधिक कार्यवाही तत्काल शुरू करने का अनुरोध किया गया। इसमें कहा गया है कि आंतरिक समिति ने न्यायाधीश के खिलाफ आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया है। याचिका में कहा गया है कि आंतरिक जांच से न्यायिक अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, लेकिन यह लागू कानूनों के तहत आपराधिक जांच का विकल्प नहीं है। मार्च में, इन्हीं याचिकाकर्ताओं ने आंतरिक जांच को चुनौती देते हुए और औपचारिक पुलिस जांच की मांग करते हुए शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने आंतरिक कार्यवाही लंबित रहने का हवाला देते हुए याचिका को समय से पहले दायर मानकर खारिज कर दिया।

गुजरात में शेरों की आबादी में वृद्धि, प्रोजेक्ट लायन की सफलता की प्रधानमंत्री ने की सराहना

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए बुधवार को प्रोजेक्ट लायन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि शेरों की संख्या में वृद्धि बेहद उत्साहजनक है।

मुख्यमंत्री पटेल ने अपने ट्वीट में बताया कि अब गुजरात में शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है। यह आंकड़ा 2020 में 674 था। एशियाई शेरों का एकमात्र प्राकृतिक आवास गुजरात है। पिछले ढाई दशक में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शेरों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कई प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट लायन के माध्यम से शेरों की आबादी का प्रबंधन और स्वास्थ्य चिकित्सा के प्रयासों को तेजी मिली है। अब शेर गुजरात के 11 जिलों में पाए जाते हैं।

यह उपलब्धि केंद्र और राज्य सरकार के समर्पित प्रयासों और स्थानीय समुदाय के सहयोग का परिणाम है।

भाखड़ा से हरियाणा के लिए छोड़ा गया पानी, नया वाटर कैलेंडर लागू

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

हरियाणा व पंजाब के बीच कई दिनों से चल रहे भाखड़ा जल विवाद के बीच बीबीएमबी ने बुधवार से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए नए सर्किल से पानी छोडऩा शुरू कर दिया है। दोपहर एक बजे यह पानी छोड़ा गया। दरअसल, 15 मई को हुई बैठक के बाद तय किए गए मापदंडों के अनुसार अब तीनों राज्यों को पानी मिलेगा। जिसमें पंजाब को करीब 17 हजार क्यूसेक, हरियाणा को 10 हजार 300 और राजस्थान को 12 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान आज नंगल डैम पहुंचें और वहां पंजाब के पानी को बचाने के लिए चल रहे मोर्चे में भाग लिया और लोगों का धरना समाप्त करवाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि आज से करीब 20 दिन पहले बीबीएमबी ने अचानक एक फरमान जारी किया, जिसमें कहा गया कि 4500 क्यूसेक पानी और छोडऩा होगा और ये आदेश फैसले के रूप में सुनाए गए। पंजाब सरकार ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि जो हरियाणा का बनता पानी था, हम वो पहले से ही दे चुके हैं। 31 मार्च तक पानी का इस्तेमाल हो चुका, फिर अब किसी बात का पानी दिया जाए। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि हमने हरियाणा सरकार से कहा था कि 21 मई को तो वैसे भी पानी मिल जाएगा। इसे लेकर हमने कोर्ट में भी लड़ाई लड़ी। आज एक बजे से हरियाणा के लिए हर घंटे 100 क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया, क्योंकि हरियाणा का ये हक है। अगली 21 मई तक ये पानी दिया जाएगा। अगली 21 मई तक हमें हरियाणा सरकार तंग न करें, अपने हिसाब से इसका इस्तेमाल करें। क्योंकि पंजाब अपने हिस्से का पानी खुद इस्तेमाल कर रहा है। देश को हर तरह की सफल पंजाब देता है, मगर पानी की बारी आते ही सरकारें इधर-उधर देखना शुरू कर देती हैं। फसल चाहिए तो पानी के बिना फसल कैसे अच्छी होगी।

न्यायालय ने महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दी, मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने को कहा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बुधवार को अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन उनके खिलाफ जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया कि वह मामले की जांच के लिए 24 घंटे के भीतर महानिरीक्षक (आईजी) रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में तीन-सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करें, जिसमें पुलिस अधीक्षक (एसपी) रैंक की एक महिला अधिकारी भी शामिल हो। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता को जांच में मदद के लिए अंतरिम जमानत दी गई है। शीर्ष अदालत ने महमूदाबाद को अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश भी दिया। पीठ ने कहा कि एसआईटी में सीधे भर्ती किए गए तीन आईपीएस अधिकारी शामिल होने चाहिए- जो हरियाणा के निवासी नहीं होंगे।

पीठ ने कहा कि आईजी रैंक के अधिकारी के अलावा दो अन्य पुलिस अधीक्षक या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारी होने चाहिए। सोनीपत स्थित अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर की ऑनलाइन पोस्ट की जांच-पड़ताल करने वाली पीठ ने उनके शब्दों के चयन पर सवाल उठाते हुए कहा कि इनका इस्तेमाल जानबूझकर दूसरों को अपमानित करने या उन्हें असहज करने के लिए किया गया था। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, शब्दों का चयन जानबूझकर दूसरों को अपमानित करने या असहज करने के लिए किया गया। प्रोफेसर एक विद्वान व्यक्ति हैं और उनके पास शब्दों की कमी नहीं हो सकती... वे दूसरों को ठेस पहुंचाए बिना उन्हीं भावनाओं को सरल भाषा में व्यक्त कर सकते थे। उन्हें दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था। उन्हें सरल और तटस्थ भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था, दूसरों का सम्मान करना चाहिए था।

पीठ ने कहा कि हालांकि सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन महमूदाबाद के बयानों को कानून की नजर में डॉग व्हिसलिंग (किसी का समर्थन पाने के लिए गुप्त संदेश वाली) भाषा कहा जाता है। अदालत ने कहा, इसे हम कानून में डॉग व्हिसलिंग कहते हैं। उन्हें अधिक सम्मानजनक और तटस्थ भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, जब देश में इतनी सारी चीजें हो रही थीं, तो उनके पास इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करने का मौका कहां था, जो अपमानजनक और दूसरों को असहज करने वाले हो सकते हैं। वह एक विद्वान व्यक्ति हैं, उनके बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनके पास शब्दों की कमी है। पीठ ने प्रोफेसर के हाल के भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर कोई और ऑनलाइन पोस्ट लिखने पर रोक लगा दी और उनसे एसआईटी जांच में सहयोग करने को कहा। पीठ ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भी पोस्ट करने पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन क्या अब इस पर इतनी सांप्रदायिक बातें करने का समय आ गया है...? देश ने एक बड़ी चुनौती का सामना किया है और अब भी कर रहा है। कुछ दानव दूसरे क्षेत्रों से आये और निर्दोष लोगों पर हमला किया। पूरा देश एकजुट है, लेकिन इस समय...ऐसे बयान क्यों? क्या यह सिर्फ इस मौके पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए है? सिब्बल ने इस बात पर सहमति जताई कि ऐसी टिप्पणियां करने का यह उचित समय नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि उनमें कोई आपराधिकता शामिल नहीं है। पीठ ने महमूदाबाद की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रियाओं का जिक्र करते हुए कहा, हर कोई भाषण और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार के बारे में बात कर रहा है। यह अधिकार मुकम्मल नहीं है... मानो देश पिछले 75 वर्षों से अधिकार बांट रहा हो। न्यायाधीश ने कहा कि हालांकि इसमें से कुछ बातें राष्ट्र के लिए अपमानजनक नहीं थीं, लेकिन जैसे ही महमूदाबाद ने अपनी राय देनी शुरू की, उनके शब्द दोहरे अर्थ वाले सांप्रदायिक हो गए। सिब्बल ने दलील दी कि प्रोफेसर की टिप्पणी का कोई आपराधिक इरादा नहीं था और उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पोस्ट के अंत में जय हिंद लिखा हुआ था, जो इसकी देशभक्ति प्रकृति को दर्शाता है। सिब्बल ने याचिकाकर्ता को राहत दिये जाने का अनुरोध करते हुए कहा कि प्रोफेसर न्यायिक हिरासत में हैं और उनकी पत्नी नौ महीने की गर्भवती हैं। पीठ ने हरियाणा सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू से कहा कि टिप्पणी की सच्चाई जांच का विषय है और ऐसा प्रतीत होता है कि वह युद्ध-विरोधी हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्यकर्मियों और नागरिकों के परिवारों को कष्ट उठाना पड़ेगा।

राजीव गांधी के विजन को लागू कर रही राज्य सरकार: मुख्यमंत्री सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को छोटा शिमला स्थित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सद्भावना चौक छोटा शिमला में राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए राजीव गांधी के विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व प्रधानमंत्री के महान योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन बलिदान किया और भारत की प्रगति को गति देने वाली कई परिवर्तनकारी पहलों की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति का मजबूत आधार रखा, जिसके सकारात्मक परिणाम वर्तमान पीढ़ी को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने संविधान में संशोधन करके पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल योजना शुरू की है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे के साथ यह स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं ताकि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना भी क्रियान्वित कर रही है। इसके तहत युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को ई-टैक्सी खरीदने के लिए 50 प्रतिशत अनुदान भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एकता और देश की अखंडता की शपथ भी दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने हिमाचल प्रदेश सचिवालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को आतंकवाद विरोधी दिवस की शपथ दिलाई गई।

बस किराया बढ़ोतरी पर महिला समिति ने दी आंदोलन की चेतावनी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में बस किराए और स्कूल बस पास की दरों में की गई भारी वृद्धि का विरोध तेज होता जा रहा है। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी ने इस बढ़ोतरी को आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ करार देते हुए तीव्र विरोध दर्ज किया है और चेतावनी दी है कि यदि किराया वापिस नहीं लिया गया तो पूरे प्रदेश में आंदोलन छेड़ा जाएगा।

महिला समिति की राज्य अध्यक्ष फालमा चौहान और राज्य सचिव डॉ. वीना वैद्य ने बुधवार को एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि प्रदेश सरकार ने पहले ही अक्टूबर 2024 में शिमला के निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बस पास की दरों में भारी बढ़ोतरी की थी। उस समय पांच किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए पास शुल्क सीधे 910 से बढ़ाकर 1450 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया था। अब मात्र छह माह बाद इसे एक बार फिर 1450 से बढ़ाकर 2500 रुपये कर देना आम अभिभावकों के साथ अन्याय है।

इसके साथ ही सरकार ने न्यूनतम बस किराया 5 से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया है और जनरल किराए में 15% की बढ़ोतरी की है। समिति का कहना है कि पहले से ही आम लोग महंगाई, बढ़ी हुई स्कूल फीस और जीवनयापन की कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में बस किराए और पास दरों में बढ़ोतरी करना जनविरोधी कदम है।

महिला समिति का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में अधिकतर लोग परिवहन के लिए केवल बसों पर निर्भर हैं और विशेषकर बच्चे अपने विद्यालय जाने के लिए बस सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसे में किराए में भारी वृद्धि से सीधा असर अभिभावकों की जेब पर पड़ेगा। समिति ने सरकार और पथ परिवहन निगम प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि यह निर्णय तुरंत वापिस नहीं लिया गया, तो जनवादी महिला समिति प्रदेश भर में महिलाओं, बच्चों और अभिभावकों को संगठित कर सड़कों पर उतरने को बाध्य होगी और निगम का घेराव किया जाएगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार सरकार और परिवहन प्रशासन होंगे।

महिला समिति ने मांग की है कि आम जनता को राहत देने के लिए स्कूल पास की दरों को पूर्व स्थिति में लाया जाए और साथ ही न्यूनतम किराया वृद्धि और जनरल किराया में की गई 15% बढ़ोतरी को भी तुरंत वापिस लिया जाए।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर दबलैहड़ में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सुचेतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिलाध्यक्ष रिन्कु चौधरी की अध्यक्षता में भाजपा दबलैहड़ रठाना मंडल के प्रधान देवी दित्ता नीटा की अगुवाई में एक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। भारतीय सेना के ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल की सफलता और सैनिकों के अदम्य साहस को सम्मानित करने के उद्देश्य से निकाली गई ।इस यात्रा में स्थानीय विधायक प्रोफेसर गारू राम भगत मुख्य तौर पर मौजूद रहे जबकि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता के साथ साथ हायर सेकेंडरी स्कूल दबलैहड़ के विर्धार्थयों ने भी शिरकत करते हुए जहां पूरे जोश और उत्साह के साथ भारतीय सेना जिंदाबाद, भारत माता की जय, वंदे मातरम का जयघोष किया, वहीं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर खुशी जताते हुए भारतीय सैनिकों के पराक्रम एवं शौर्य को सलाम भी किया। अपने संबोधन में प्रोफेसर गारू राम भगत ने कहा कि गत 22 अप्रैल को पाकिस्तान के आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर भारत के निर्दोष नागरिकों की जान ली है। इसी के विरोध में भाजपा देश के साथ जम्मू-कश्मीर प्रदेश भर में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही है। इन यात्राओं का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ सफल ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के लिए सेना का आभार व्यक्त किया जा रहा है।वहीं जिला अध्यक्ष रिन्कु चौधरी ने कहा कि भाजपा सिटिजन फॉर नेशनल सिक्यूरिटी को लेकर ऑपरेशन सिंदूरह्ल के तहत हम सब देश के सशस्त्र बलों की वीरता के लिए उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने हेतु जिला जम्मू बार्डर के विभिन्न ब्लॉकों में तिरंगा शौर्य यात्रा का आयोजन करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व ने देखा है किस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर स्टीक हमले करते हुए उनको करारा जवाब देते हुए आतंकवादियों का सफाया किया है। हमें अपनी सेना पर गर्व है जिनकी वजह से हमारे देश के नागरिक सुरक्षित हैं।

दक्षिण कश्मीर के निवासियों ने सरकार से अनंतनाग-लाल चौक एसआरटीसी बस सेवा बहाल करने का किया आग्रह

एजेंसी (हि.स.)
अनंतनाग

अनंतनाग और दक्षिण कश्मीर के आस-पास के इलाकों के निवासियों ने सरकार से अनंतनाग से लाल चौक, श्रीनगर तक सीधी राज्य सड़क परिवहन निगम (एसआरटीसी) बस सेवा को तत्काल बहाल करने की अपील की है।

सेवा में कटौती जो अब पंथा चौक पर समाप्त हो रही है ने यात्रियों, विशेष रूप से रोगियों, छात्रों, महिलाओं और कर्मचारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है जिन्हें अब शहर के केंद्र तक पहुँचने के लिए वाहन बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सीधी बस मार्ग एक विश्वसनीय किफायती और सुरक्षित यात्रा विकल्प है। व्यवधान के कारण यात्रा का समय बढ़ गया है, किराया बढ़ गया है और दैनिक कठिनाइयाँ हो रही हैं खासकर बुजुर्ग रोगियों के लिए जिन्हें श्रीनगर के अस्पतालों में बार-बार जाना पड़ता है। छात्रों को कॉलेज और विश्वविद्यालयों तक पहुँचने में देरी का सामना करना पड़ता है जबकि महिलाओं ने भीड़भाड़ वाली स्थानीय कैब में जाने पर गंभीर सुरक्षा और आराम की चिंता व्यक्त की है।

दिहाड़ी मजदूरों और कर्मचारियों ने कहा कि अतिरिक्त यात्रा समय और खर्चों के कारण उनकी उत्पादकता प्रभावित हुई है। एक यात्री ने कहा कि हम केवल बुनियादी परिवहन सुविधा की बहाली की माँग कर रहे हैं।हम जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और परिवहन मंत्री सतीश शर्मा से अनंतनाग से लाल चौक श्रीनगर तक राज्य सड़क परिवहन निगम (एसआरटीसी) की सीधी बस सेवा को तत्काल बहाल करने की अपील करते हैं।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर के परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि एसआरटीसी बसों और यातायात विभाग के संबंध में कुछ समस्या है। सभी संबंधित लोगों के साथ बैठक बुलाई है जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना किसी देरी के मामले को सुलझाने के लिए आज एसआरटीसी के महाप्रबंधक और यातायात अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी।

पाकिस्तानी बमबारी में मारे गए लोगों के एक परिजन को सरकारी नौकरी देगी जम्मू-सरकार : राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
पुंछ

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को पुंछ में पाकिस्तान सीमा पर हाल ही में हुई गोलाबारी से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुनर्वास उपायों में सीमा पार से गोलीबारी में जान गंवाने वालों के परिजनों को कम से कम एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। उपराज्यपाल ने चेतावनी दी कि भारत युद्ध का समर्थक नहीं है, लेकिन अगर फिर से उकसाया गया तो प्रतिक्रिया और भी निर्णायक होगी।

उपराज्यपाल सिन्हा ने पीड़ितों के परिवारों को आश्वासन दिया कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर दोनों सरकारों के सहयोग से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के प्रयास चल रहे हैं। पाकिस्तान की गोलाबारी में कई लोग घायल हुए हैं और जम्मू-कश्मीर ने उनके तत्काल इलाज की व्यवस्था की है। जानमाल के नुकसान की भरपाई के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार लोगों का पुनर्वास कर रही है। बाद में सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि बड़ी संख्या में व्यक्तिगत और सामुदायिक बंकर बनाए जाएंगे और पुंछ अस्पताल को किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए तैयार रखा जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि घायल व्यक्तियों को समय पर उपचार मिल रहा है और वह ठीक हो रहे हैं। कई घर और व्यवसाय नष्ट हो गए हैं। प्रशासन सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एक व्यापक पुनर्वास योजना तैयार करेगा। सिन्हा ने भारतीय सेना की त्वरित और रणनीतिक प्रतिक्रिया की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना का भारतीय सेना ने दृढ़ और रणनीतिक जवाब दिया है। पाकिस्तान ने घबराहट में जवाब दिया, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उनका कोई भी सैन्य प्रतिष्ठान भारतीय सेना की पहुंच से परे नहीं है। इससे पहले उपराज्यपाल सिन्हा ने पुंछ ब्रिगेड मुख्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने क्षेत्र में तैनात भारतीय सेना के जवानों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की। अपने दौरे के दौरान उपराज्यपाल सिन्हा ने बलों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था और तीन दिनों के भीतर दुश्मन घुटनों के बल पर आ गया और दुनिया की ओर हाथ बढ़ाने लगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश को आपकी बहादुरी और पराक्रम पर गर्व है।

भाजपा ने धर्मपुर में निकाली तिरंगा यात्रा

एजेंसी (हि.स.)
सोलन

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने सोलन जिले के तहत राष्ट्रीय राज मार्ग - 5 पर स्थित धर्मपुर में बुधवार को आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की । इस कार्यक्रम में प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष राकेश डोगरा, पूर्व मंत्री डॉ राजीव सहजल, मंडल अध्यक्ष मदन मोहन मेहता, महामंत्री राजीव ठाकुर, शीश पाल उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा धर्मपुर मंडी से चौक तक चली ।

तिरंगा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं ने भाग लिया। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने पाकिस्तान को दो टूक जवाब देते हुए कहा, यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। यह केंद्र की मोदी सरकार का दमदार फैसला है, आज से पहले किसी भी सरकार ने इस प्रकार का कड़ा फैसला पाकिस्तान के खिलाफ नहीं लिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के झूठ को दुनिया के सामने उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। ृ कर्ण नंदा ने कहा कि दुनिया भर के सुरक्षा से जुड़े हुए पंडित ऑपरेशन सिंदूर का जब एनालिसिस करने लगते हैं तो आश्चर्यचकित हो जाते हैं। आज मैं बड़े गर्व से कहने आया हूं

संक्षिप्त-समाचार

नागपुर की 43 वर्षीय महिला सुनीता कारगिल के पास नियंत्रण रेखा से लापता

श्रीनगर। नागपुर की 43 वर्षीय महिला सुनीता कारगिल के पास नियंत्रण रेखा से लापता हो गई है। सुनीता के भाई सुनील ने नागपुर के कपिल नगर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। सुनीता अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ यात्रा कर रही थी, जिसे उसने हुंदरमन गांव में छोड़ दिया था। पुलिस सूत्रों ने आज जानकारी दी कि सुनीता नागपुर के एक अस्पताल में कार्यरत थी और डोर-टू-डोर गारमेंट विक्रेता के रूप में काम कर रही थी।सुनीता को आखिरी बार 14 मई को हुंदरमान गांव में उसके 14 वर्षीय बेटे के साथ देखा गया था। लापता होने के बाद माना जा रहा है कि वह एलओसी के पार चली गई है और वह गिलगित पुलिस की हिरासत में हो सकती है। सूत्रों के अनुसार कारगिल पुलिस और सेना जुल्फिकार और पादरी की भूमिका की जांच कर रही है, जिसमें कथित तौर पर सुनीता को एलओसी के पार ले जाने का आरोप है। सुनीता के लापता होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।-

मोहम्मद अमीन भट कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में फिर से कांग्रेस में शामिल

श्रीनगर। देवसर के पूर्व विधायक मोहम्मद अमीन भट बुधवार को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। भट डाक बंगलो में आयोजित एक समारोह के दौरान पार्टी में वापस आए। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा और वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर, रमन भल्ला, रविंदर शर्मा और अन्य मौजूद थे। इस शामिल होने से कांग्रेस को दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में बढ़ावा मिला है जहां नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 2024 के लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल की है। पिछले विधानसभा चुनावों में एनसी ने क्षेत्र की 16 में से 10 सीटें जीती थीं जबकि कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने दो-दो सीटें जीती थीं। न्याय और विकास मोर्चा (जेडीएफ) के गठन ने दक्षिण कश्मीर की राजनीति में एक नया आयाम जोड़ा है।

एसपी कॉलेज के बाहर हाथापाई में लड़का घायल, अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर। बुधवार को श्रीनगर में एसपी कॉलेज के बाहर हुई हाथापाई में एक लड़का घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि झगड़े में लड़कों का एक समूह शामिल था जिसके दौरान एक लड़का घायल हो गया जिसे तुरंत चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि उस पर एक तेजदार हथियार से हमला किया गया था। लड़के की पहचान सुजैन वानी के रूप में हुई जो फतेह कदल श्रीनगर का निवासी था इस बीच पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है

डीएलडीडीसी बारामुला ने करोड़ों रुपये मूल्य के जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ और नशीली दवाओं को किया नष्ट

श्रीनगर। जिला स्तरीय मादक पदार्थ निपटान समिति (डीएलडीडीसी) बारामुला ने आज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 52ए के तहत भारी मात्रा में जब्त किए गए मादक पदार्थों और मादक पदार्थों को नष्ट किया। पुलिस स्टेशन उडी, क्रेरी, शीरी, बारामुला, बोनियार और पट्टन के 33 मामलों में जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों को नष्ट किया गया। जब्त किए गए पदार्थों में 1.270 किलोग्राम हेरोइन, 1.703 किलोग्राम चरस, 13 किलोग्राम भुक्की, 20.121 किलोग्राम गांजा, अल्प्राजोलम 0.5 मिलीग्राम 340 टैब, स्पैस्मोप्रोक्सीन प्लस 68 कैप, कोकोरेक्स 54 बोतलें, मकई का कोब 112 ग्राम, टस्किल-टी कोडीन 05 बोतलें, स्पैस्मेड 10 स्ट्रिप 240 कैप शामिल हैं। कश्मीर हेल्थ केयर सिस्टम, आईजीसी लस्सीपोरा में करोड़ों रुपये के अवैध मादक पदार्थ नष्ट किए गए। इस अवसर पर डीएसपी डीआर डीपीएल बारामुल्ला, डीएसपी एएनटीएफ कश्मीर, डीएसपी सीआईडी सीआई अनंतनाग, कार्यकारी प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट फतेहगढ़, एसएसपी बारामुला के रीडर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के फील्ड इंस्पेक्टर, आईसी गोदाम और जिले के अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने अधिकारियों से मुलाकात की और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए उनकी कड़ी मेहनत, व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस कर रही युवाओं के भविष्य से खिलवाड़: बलदेव तोमर

नाहन। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बलदेव तोमर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर युवाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिलाई विधानसभा क्षेत्र में पूर्व भाजपा सरकार द्वारा स्थापित कॉलेज को डिनोटिफाई कर उसी स्थान पर राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल का शिलान्यास कांग्रेस सरकार की अवसरवादी और जनविरोधी मानसिकता का ज्वलंत उदाहरण है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि पूर्व जयराम सरकार में शिलाई में अटल शिक्षा केंद्र की घोषणा हुई व पहली किश्त में 10करोड़ की राशि भी आ गई परंतु सरकार बदलते ही इस सरकार व मंत्री हर्षवर्धन ने उस योजना को पूरा नही होने दिया व बजट के प्रावधान के वावजूद अटल आदर्श शिक्षा केंद्र का निर्माण नही हो पाया परंतु आज कांग्रेस की सरकार मात्र लोगों की नजर में धूल झोंकने के लिए ऐसे स्थान जहां पूर्व भाजपा सरकार में कॉलेज खोला गया व चलते हुए संस्थान को डी नोटिफाई किया गया और आज उस स्थान पर राजीव गाँधी दें बोर्डिंग स्कूल नाम का झांसा यहां की भोली भाली जनता को दिया जा रहा। एक चल रही योजना को बंद कर नई योजना की झूठी वाहवाही लूटने की सस्ती कोशिश की जा रही है। भाजपा को स्कूल खोलने से कोई आपत्ति नहीं, लेकिन पहले से स्वीकृत और निमार्णाधीन कॉलेज को बंद कर उसके स्थान पर स्कूल खोलना क्षेत्र की युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खुला अन्याय है।

उपराज्यपाल सिन्हा का पुंछ ब्रिगेड मुख्यालय में दौरा, सेना व बीएसएफ के जवानों से मिले

एजेंसी (हि.स.)
पुंछ

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को पुंछ ब्रिगेड मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्र में तैनात भारतीय सेना के जवानों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से मुलाकात की।

उपराज्यपाल सिन्हा ने बलों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। तीन दिनों के भीतर दुश्मन अपने घुटनों पर आ गया और दुनिया की ओर हाथ बढ़ाना शुरू कर दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि पूरे देश को आपकी बहादुरी और पराक्रम पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और जल्द ही दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। हमारा पड़ोसी कर्ज लेकर आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। सैनिकों से मिलने के अलावा लेफ्टिनेंट गवर्नर ने पुंछ में गुरुद्वारा नंगली साहिब का भी दौरा किया और मत्था टेका।

हिंदू संगठनों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

संजौली मस्जिद विवाद फिर गरमाया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के सबसे बड़े उपनगर संजौली में स्थित विवादित मस्जिद को लेकर मंगलवार शाम एक बार फिर तनाव का माहौल बन गया। हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने मस्जिद के बाहर सड़क पर हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध जताया और प्रशासन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया।

प्रदर्शनकारियों को जब मस्जिद स्थल की ओर बढ़ने से पुलिस ने रोका, तो उन्होंने सड़क पर ही बैठकर पाठ शुरू कर दिया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। समिति के सह-संयोजक विजय शर्मा ने आरोप लगाया कि मस्जिद का निर्माण अवैध भूमि पर हुआ है जो जमाबंदी में देवस्थान के नाम दर्ज है। उन्होंने कहा कि जब तक मस्जिद को गिराया नहीं जाता तब तक वहां किसी भी प्रकार की धार्मिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। विजय शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर शुक्रवार को नमाज अदा की गई तो प्रदेशभर से सनातनी संजौली पहुंचेंगे और बड़ा जनांदोलन शुरू होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रशासन ने हिंदू संगठनों को धार्मिक गतिविधियों से रोका है, तो मुस्लिम समुदाय को भी नमाज की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

समिति के एक अन्य सह-संयोजक मदन ठाकुर ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मस्जिद में रह रहे कुछ लोग बाहरी हैं और बिना वैध दस्तावेजों के शिमला में रह रहे हैं। उन्होंने मस्जिद स्थल की बिजली और पानी की आपूर्ति तत्काल बंद करने तथा आमजन की आवाजाही पर भी पूर्ण रोक लगाने की मांग की। मदन ठाकुर ने स्पष्ट किया कि यदि शुक्रवार को दोबारा नमाज पढ़ी गई, तो वह ₹अंतिम जुमे की नमाजश साबित होगी, जिसके बाद संघर्ष की राह अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय संविधान का पालन कर रहा है, तो मुस्लिम समुदाय को भी नियमों का आदर करना चाहिए।

संजौली की यह मस्जिद पिछले कई महीनों से विवादों में घिरी है। नगर निगम शिमला के आयुक्त भूपिंदर अत्री की अदालत ने 3 मई 2025 को मस्जिद के संपूर्ण निर्माण को अवैध घोषित करते हुए इसे ढहाने का अंतिम आदेश जारी किया था। इससे पहले 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलें हटाने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके, अब तक सिर्फ आंशिक ध्वस्तीकरण हुआ है और एक मंजिल व कुछ पिलर अब भी खड़े हैं। प्रशासन के लिए यह कार्यवाही आसान नहीं रही है, क्योंकि मस्जिद रिहायशी क्षेत्र के बीच स्थित है। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। यह विवाद पहली बार अगस्त 2024 में तब सुर्खियों में आया जब शहर के मल्याणा क्षेत्र में दो समुदायों के बीच झड़प हो गई थी जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ था। इसके बाद 1 सितंबर को मस्जिद के बाहर तनाव और बढ़ गया। 11 सितंबर को हिंदू संगठनों द्वारा किए गए उग्र प्रदर्शन में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था, जिसमें कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सैनी ने मोदी से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की दी बधाई और सेना का जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ उठाए कड़े कदम : नायब सैनी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी और सेना का आभार जताया। इसके उपरांत हरियाणा भवन नई दिल्ली में पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिलने का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था कोई भी सुरक्षित नहीं था। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है आतंकवाद की बची हुई जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्यवाही करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पाक का असली चेहरा पूरे विश्व के सामने आ गया है। पाक भारत को बदनाम कर रहा था और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पाक का आतंकी चेहरा पूरी दुनिया के सामने लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को हरियाणा में चल रही विकास योजनाओं के बारे में भी अवगत करवाया गया है। प्रधानमंत्री ने डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर कई विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब-जब प्रधानमंत्री का हरियाणा का दौरा होता है तो जनता को नई ऊर्जा और स्फूर्ति मिलती है।

एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में जासूसी के मामलों की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। ऐसे लोगों की गहनता से जांच के निर्देश दिए गए हैं।

संयुक्त स्वामित्व भूमि विभाजन प्रक्रिया हुई सरल: डॉ. सुमिता मिश्रा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने लंबे समय से लंबित भूमि विवादों के समाधान और संपत्ति विभाजन की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 लागू किया है। इस अधिनियम में किया गया संशोधन विशेष रूप से संयुक्त भूमि जोत परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाली जटिलताओं का समाधान करता है। वित्त आयुक्त एवं गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती सुमिता मिश्रा ने बताया कि यह नया कानून झ हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 झ उन प्रमुख समस्याओं का समाधान करता है, जिनमें कई पारिवारिक सदस्य एक साथ किसी भूमि के स्वामी होते हैं।पहले की स्थिति में यदि भाई-बहन या अन्य रक्त संबंधी किसी भूमि के साझे मालिक होते थे, तो बिना सामूहिक सहमति के सरकार उस भूमि का विभाजन करने में अक्षम रहती थी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अब इस अधिनियम के माध्यम से धारा 111-ए का विस्तार करते हुए इसे लगभग सभी भूमि मालिकों पर लागू किया गया है,

केवल पति-पत्नी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इसका अर्थ है कि अब रक्त संबंधियों के बीच साझा भूमि पर चल रहे अधिकांश विवादों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा।

इन विवादों के निपटान की प्रक्रिया को और तेज करने के लिए, अब राजस्व अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए संयुक्त भूमि स्वामियों को नोटिस जारी कर सकेंगे। ये नोटिस सभी साझेदारों को छह महीने के भीतर आपसी सहमति से भूमि विभाजन के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि भूमि अभिलेखों का नियमितीकरण हो सके और प्रत्येक भूमि स्वामी को स्पष्ट अधिकार मिल सके। इससे भविष्य में विवादों की गुंजाइश कम होगी और न्यायालयों में मुकदमेबाजी से बचा जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव के तहत अब धारा 114 को समाप्त कर दिया गया है। पहले इस धारा के अंतर्गत राजस्व अधिकारियों को यह जांच करनी होती थी कि क्या अन्य सह-स्वामी भी विभाजन चाहते हैं और उन्हें आवेदनकर्ता के रूप में शामिल करना होता था। अब किसी भी एक साझेदार द्वारा किए गए आवेदन पर उसका हिस्सा विभाजित किया जा सकेगा, भले ही अन्य सह-स्वामी सहमत हों या नहीं। इससे प्रक्रिया और अधिक तेज एवं सरल हो जाएगी और प्रत्येक स्वामी को अपनी भूमि का स्वतंत्र उपयोग करने का अधिकार मिलेगा।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि ये संशोधन भूमि प्रशासन को तेज, सरल और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य विभाजन संबंधी मामलों में देरी और कानूनी विवादों को कम करना, प्रत्येक भूमिस्वामी को उनके हिस्से पर अधिकार और उपयोग का अवसर देना तथा राजस्व प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

संभलकर रहना अपने घर में छुपे हुए गदारों से: विज

- विज का विपक्ष से सवाल- क्या विपक्ष को सेना पर भरोसा नहीं है क्या सेना झूठ कह रही है
- कुछ लोग रहते हिन्दूस्तान में हैं परंतु हमदर्दी पाकिस्तान से है: विज

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने पंजाब द्वारा पानी छोडे जाने के संबंध में तंज कसते हुए कहा कि ह्यह्यपंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान ने पहले पानी बंद कर दिया और अब जब उनकी जनता ने इसके ऊपर एतराज किया तो कि यह पंजाब की संस्कृति के विरूद्ध है और हर जगह उनका विरोध हुआ क्योंकि पंजाब की संस्कृति रही है छबीलें लगाकर पानी पिलाने की। जबकि पंजाब के सीएम ने हरियाणा के हिस्से/हक का पानी छीन लिया थाह्यह्य। श्री विज ने पानी के महत्वता के बारे में कहा कि पानी का हमें पता है कि हमें पानी की कितनी जरूरत है। उन्होंने ये भी कहा कि इनकी (आप पार्टी) माइलेज खत्म हो गई है और इसीलिए इन्होंने पानी खोल दिया है। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वालों के संबंध में कहा कि संभलकर रहना अपने घर में छुपे हुए गदारों से। विज चण्डीगढ में मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

यूटयूबर ज्योति मल्होत्रा के पकडे जाने तथा अन्य लोगों के पकडे जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा, पंजाब एवं अन्य प्रदेशों से भी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले लोगों को पकडा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही खतरनाक है क्योंकि एक गीत में कहा गया है कि ह्यह्यसंभलकर रहना अपने घर में छुपे हुए गदारों से।

कामकाज में देरी करने वाली एजेंसी को किया जाए ब्लैकलिस्ट : विपुल गोयल

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि निकाय से संबंधित विकास कार्य में किसी प्रकार की लेट लतीफी नहीं होनी चाहिए, अगर कोई एजेंसी तय समय में विकास से सम्बंधित प्रोजेक्ट को पूरा करने में देरी कर रही है तो ऐसी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने विभिन्न पहलुओं को लेकर निकाय विभाग के अधिकारियों की बैठक ली है। बैठक के दौरान विभाग से जुड़े अलग अलग पहलुओं पर कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने रिव्यू किया है।

उन्होंने इस दौरान कहा कि विकास कार्यों से सम्बंधित टेंडर लेने वाले ठेकेदार अथवा एजेंसी की मॉनिटरिंग की जाए, खास कर उनपर नजर रखी जाए जो 10 प्रतिशत माइन्स में टेंडर लेकर कार्य कर रहे है, उनके काम काज की क्वालिटी की समय समय पर जांच हो। कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि कुछ एजेंसी काम का टेंडर लेकर उसे तय समय में पूरा करने की बजाय, आगे आगे समय बढ़ाते रहते है जो ठीक नहीं है। जनता को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, यह सुनिश्चित किया जाये और तय समय पर प्रोजेक्ट पूरा ना करने वाली फर्म को ब्लैकलिस्ट करने की करवाई सम्बंधित अधिकारी करे। इसके साथ ही उन्होंने टेंडर एस्टिमेट पर नजर रखने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार से लापरवाही ना हो। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर ठोस कदम उठाने के निर्देश भी विभाग के अधिकारियों को दिए।

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने बैठक में प्रदेश की सफाई व्यवस्था को लेकर भी कई पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा में सफाई के लिए लगाई गई मशीनों की कैपेसिटी बढ़ाने की दिशा में काम किया जाए। जिन एरिया में मशीन पुरानी है उन मशीनों की जगह अपग्रेड नई तकनीक आधारित मशीने खरीदी जाए। उन्होंने स्वच्छता रैंकिंग को लेकर भी बातचीत की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में भी ठोस तरीके से काम किया जाए ताकि प्रदेश साफ सुथरा बने और इसकी रैंकिंग में भी सुधार हो।

बैठक के दौरान निकाय विभाग से संबंधित तमाम क्षेत्र के अधिकारियों की रेटिंग को भी संकलित करने के निर्देश दिए गए। कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि रेटिंग में यह सुनिश्चित किया जाए की कर्मचारी के कामकाज करने का तरीका क्या है, उसकी क्वालिफिकेशन क्या है, कहां से कर्मचारी ने डिग्री हासिल की। इसके साथ-साथ उसकी अचीवमेंट क्या रही है।उनका कहना था कि ऐसा करने से एक कर्मचारी की काबिलियत का विभाग को भी पता रहेगा। ताकि उसकी कार्यशैली और योग्यता के अनुरूप किस सेक्शन में काम लेना है, यह आसानी से पता लग सकेगा।इससे कामकाज की क्वालिटी में तो सुधार हो पायेगा, साथ ही कर्मचारी को भी तवज्जो मिलेगी।

बैठक के दौरान शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विकास गुप्ता, विभाग के महानिदेशक श्री पंकज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

एमडीयू ने जारी किए परीक्षा परिणाम

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने पीजी डिप्लोमा इन साइबर लॉ के दूसरे सेमेस्टर रेगुलर तथा पीएचडी कोर्स वर्क गणित प्रथम सेमेस्टर री-अपीयर की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

रोहतक में बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण आज

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ता संतुष्टिह्न के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप में सुलझाया जा सके। बिजली निगम के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों नामतः करनाल, पानीपत, सोनीपत, झज्जर और रोहतक के उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण रोहतक जोन की उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच की कार्यवाही 22 मई को रोहतक में किया जायेगा। प्रवक्ता ने बताया कि रोहतक जोन के अंतर्गत आने वाले जिलों के उपभोक्ताओं के गलत बिलों, बिजली की दरों से सम्बंधित मामलों, मीटर सिक्योरिटी से जुड़े मामलों, खराब हुए मीटरों से सम्बंधित मामलों, वोल्टेज से जुड़े हुए मामलों का भी निपटान किया जाएगा।

परीक्षाओं की डेटशीट जारी की

चंडीगढ़। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक ने कई परीक्षाओं की डेटशीट जारी की है। इनमें बीए-पांचवें सेमेस्टर पास कोर्स की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट, बीए आनर्स पांचवें सेमेस्टर की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट, बी.वोक-मार्केटिंग मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, रिटेल मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर मैनेजमेंट के पांचवें सेमेस्टर की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट, बी.कॉम पास व वोकेशनल कोर्स के पांचवें सेमेस्टर की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट, बी.कॉम आनर्स पांचवें सेमेस्टर की री-अपीयर व इंप्रूवमेंट तथा बी. वोक-इंटीरियर डिजाइन के दूसरे सेमेस्टर की फुल, री-अपीयर व इंप्रूवमेंट की परीक्षाएं 27 मई से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

रेणू सोगन को अतिरिक्त कार्यभार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नागरिक संसाधन सूचना विभाग की अतिरिक्त सचिव श्रीमती रेणू सोगन को तुरन्त प्रभाव से ग्रीवेंस विभाग के अतिरिक्त सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलना अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मजाक: सांसद सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलने का नया फरमान किसानों पर भाजपा सरकार का नया अत्याचार है। ये भाजपा सरकार अन्नदाताओं पर और कितना कहर ढाएगी। यह ताजा आदेश अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मजाक है। किसान पहले ही मौसम की मार, महंगी खेती, और मंडियों की अव्यवस्था से जूझ रहा है। ऐसे में उस पर ब्याज की तलवार चलाना न केवल अमानवीय है, बल्कि सरकार की किसान विरोधी सोच को उजागर करता है। अगर सरकार वाकई किसान हितैषी है तो उसे यह आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए। भाजपा सरकार को याद हो कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने फसली ऋण पर ब्याज माफ किया था। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि शायद भाजपा सरकार को याद होगा अगर नहीं है तो याद करना होगा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किसानों को राहत देते हुए फसली ऋण पर ब्याज माफ किया गया था। किसानों को सम्मान और सहारा देने का काम किया गया।

पशुपालन विभाग का प्रशिक्षण कैलेंडर जारी: विजय सिंह दहिया

- संस्थान में वर्ष 2025-26 में पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग के चिकित्सकों को विभिन्न विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण
- करियर कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण दिया जाएगा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा पशुपालन विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री विजय सिंह दहिया ने प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, हिसार के वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर (2025-26) का विमोचन किया।

आयुक्त एवं सचिव ने बताया कि वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर में संस्थान में अलग-अलग विषयों पर 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम, अन्य संस्थानों के सहयोग से 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन/वेबिनार प्रशिक्षण कार्यक्रम, पशु चिकित्सकों की एक वर्कशॉप और संस्थान के फैकल्टी सदस्यों के लिए विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एच.वी.टी.आई. द्वारा आयोजित वेबिनार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बर्ड फ्लू व आयुर्वेद आधारित पारंपरिक पशु चिकित्सा मुख्य रूप से शामिल रहेंगे।

उन्होंने बताया कि यह संस्थान पशु चिकित्सकों और पशु चिकित्सा पशुधन विकास सहायकों के लिए पूरे वर्ष विभिन्न रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, ब्रिज कोर्स और इंडक्शन कोर्स आयोजित करता है, ताकि उन्हें कैरियर कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण दिया जा सके।

श्री विजय दहिया ने बताया कि हरियाणा सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पशु चिकित्सकों के मध्य-कैरियर कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से मई 2001 में हिसार में प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना कृषि एवं मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के तहत विश्व बैंक की सहायता से की गई।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण संस्थान राष्ट्रीय संस्थानों और राज्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों के साथ भी सहयोग करता है। जिसमें केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार, एक्सटेंशन शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी, लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय हिसार, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार और राष्ट्रीय सूअर अनुसंधान केंद्र, गुवाहाटी, असम के साथ सहयोग कर प्रशिक्षण करवाता है।

45 लाख रुपये की लागत से होगा दादा लखमीचंद पार्क का सौंदर्यीकरण

- देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई - अरविंद शर्मा
- 30 मई को गांव पहरावर में होने वाला भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते हरियाणा विकास के मामले में नंबर एक पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कई ऐसी योजनाओं की शुरूआत की है, जिन्हें देश के अन्य राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं।

डॉ अरविंद शर्मा ने आज रोहतक के गांव पहरावर में 45 लाख रुपये की लागत से दादा लखमीचंद पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि 30 मई, 2025 को गांव पहरावर में मनाए जाने वाला भगवान परशुराम जन्मोत्सव ऐतिहासिक होगा और सर्व समाज के लोग इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता उजागर हुई है और देश के दुश्मनों को भी पता चल गया कि अगर कोई हरकत की तो उनका नामो-निशान मिट जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अवैध रूप से प्रदेश में रहने वाले बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया जाएगा, इसके लिए सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है और केन्द्र व प्रदेश सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लोगों की समस्याओं को गंभीरता के साथ निपटाएं और पीने के पानी की शिकायत पर उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस तरह की शिकायत नहीं आनी चाहिए और इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान होना चाहिए।

औद्योगिक विवादों को शीघ्रातिशीघ्र निपटाने के लिए राज्य में संचालित होंगें 26 श्रम न्यायालय

- प्रदेश में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने की मंजूरी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा में अब श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक विवादों को शीघ्र अति शीघ्र निपटाने के लिए राज्य में कुल 26 श्रम न्यायालय संचालित होंगे। इस संबंध में 12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि श्रम मंत्री ने श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए अन्य 12 जिलों नामतः पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, करनाल, कैथल, जींद, सिरसा, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी-दादरी, फतेहाबाद एवं मेवात (नूंह) में श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए अपनी ओर से मुख्यमंत्री को एक प्रस्ताव बनवाकर भिजवाया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। श्री विज ने बताया कि इन 12 श्रम न्यायालयों की स्थापना हेतु बुनियादी ढांचा, फर्नीचर, वाहन, पेट्रोल इत्यादि की व्यवस्था पर लगभग 12 करोड रुपए की राशि का खर्च आएगा। श्री विज ने बताया कि वर्तमान में 6 जिलों (अंबाला में एक, पानीपत में एक, हिसार में एक, रोहतक में एक, गुरुग्राम में दो तथा फरीदाबाद में तीन) में 9 श्रम न्यायालय संचालित हैं, जबकि जिला रेवाड़ी के बावल में एक श्रम न्यायालय निमार्णाधीन है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट भाषण के अनुरूप सोनीपत में एक, झज्जर में एक, पलवल में एक तथा रेवाड़ी में एक अर्थात चार अन्य श्रम न्यायालयों को पहले ही मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। इस प्रकार से 10 जिलों में श्रम न्यायालय की संख्या कुल 14 हो गई थी। विज ने कहा कि वे चाहते हैं कि श्रम विभाग से संबंधित औद्योगिक विवादों को जल्द से जल्द निपटाया जाना चाहिए ताकि श्रमिकों को समय पर न्याय मिल सकें, इसलिए प्रत्येक जिला में श्रम न्यायालय स्थापित किए जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने की सरकारी स्कूलों के 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक

शिक्षा मंत्री ने बेहतर परीक्षा परिणाम वाले सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपलों को दी शाबाशी, पिछड़ने वालों को दी नसीहत

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को हरियाणा में लागू किया है। इस नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को राजकीय स्कूलों में बेहतर सुविधा व पढ़ाई का अच्छा वातावरण मुहैया करवाना है। इसके लिए शिक्षकों की जिम्मेदारी भी है कि वे विद्यार्थियों को खूब मेहनत से पढ़ाएं और कमजोर विद्यार्थियों पर और ज्यादा मेहनत करें। इस बात की खुशी है कि इस बार हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में प्रदेश के सरकारी स्कूलों का परिणाम 85 प्रतिशत रहा है। अंग्रेजी विषय में 96 प्रतिशत, हिंदी में 99 प्रतिशत और गणित में 98 प्रतिशत परिणाम रहा है।

मंत्री ने बेतहर परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के प्रिंसिपलों को बधाई दी और परिणाम में पिछड़ने वाले स्कूलों को नसीहत दी कि वे ज्यादा मेहनत से विद्यार्थियों की पढ़ाई करवाएं, ताकि अगले साल परीक्षा परिणाम बेहतर हो सकें। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। गर्मियों की छुट्टियों में सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षकों को 10-10 दिन गांवों व शहरों में घर-घर जाना होगा।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा आज सिविल सचिवालय में सरकारी स्कूलों के 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणामों को लेकर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों, डीईओ, बीईओ व प्रिंसिपलों के साथ हुई समीक्षा बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 10 स्कूलों के प्रिंसिपलों को बधाई दी और उनके अनुभव जाने। इसी तरह से परीक्षा परिणाम में पिछड़ने वाले 10 स्कूलों के प्रिंसिपलों को उनकी कमियां बताई और सुधार करने के दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राज्यों के जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम कम रहा है उनका तालमेल अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्कूलों के प्रिंसिपल से बनवाया जाएगा, ताकि अगले साल उनका परीक्षा परिणाम भी बेहतर हो सके। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों के 10वीं व 12वीं के आगामी परीक्षा परिणामों को और भी अच्छा करने के लिए पिछले 10 वर्षों के बोर्ड परीक्षा के पेपर छात्रों के अभ्यास के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सहायता व परीक्षा की तैयारी को मजबूत करने के लिए स्कूल के बाद अतिरिक्त कक्षाएं और संदेह-समाधान सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह से छात्रों के बीच वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए राज्य और जिला-स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित की जाएंगी। बैठक में हरियाणा स्कूल एजुकेशन के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्री पंकज अग्रवाल, सेकेंडरी एजुकेशन के डायरेक्टर श्र जितेंद्र दहिया, डीईओ, बीईओ व स्कूलों के प्रिंसिपल मौजूद रहे।

संपादकीय

भारत में फिर पैर पसारने लगा कोरोना: जे एन.1 वेरिएंट से खतरे की आहट

जी हां कोविड-19 महामारी ने एक बार फिर भारत में दस्तक दी है। मई 2025 के मध्य तक देश में कोरोना वायरस के मामलों में अचानक उछाल देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और विभिन्न राज्य सरकारें अलर्ट मोड पर आ चुकी हैं। हालांकि इस बार लक्षण अपेक्षाकृत हल्के हैं, लेकिन संक्रमण की दर तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञ इसे हल्के में लेने की बजाय सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। आइए समझते हैं कि यह नया संकट कितना गंभीर है और आम जनता को क्या सावधानी बरतनी चाहिए। आइये विस्तार से समझते हैं इस जे एन.1 वेरिएंट के बारे में। इस बार कोरोना वायरस का जो नया रूप सामने आया है, उसे जे एन.1 वेरिएंट कहा जा रहा है। यह ओमिक्रॉन परिवार का एक उपप्रकार है। इसकी पहचान सबसे पहले सिंगापुर और अमेरिका में हुई थी, और अब यह भारत में भी फैल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वेरिएंट बेहद संक्रामक है, लेकिन घातकता की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। इसके मुख्य लक्षणों की बात की जाये तो इसमें रोगी को हल्का बुखार, गले में खराश, सिर दर्द, थकावट, सूखी खांसी और नाक बहना आदि की शिकायतें हो सकती हैं। यह लक्षण सामान्य फ्लू जैसे ही हैं, लेकिन परीक्षण करने पर कोविड-19 की पुष्टि हो रही है। भारत सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसारः 21 मई 2025 तक भारत में सक्रिय मामलेः लगभग 257 पाये गये। इनमें केरल में सबसे अधिक मामलेः 69 हैं। महाराष्ट्र मेंः 44. तमिलनाडु मेंः 34 और अन्य प्रभावित राज्यः कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश देखे गये हैं। इनमें से अधिकांश मरीजों को अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया है, बल्कि होम आइसोलेशन में ही इलाज चल रहा है। हालांकि, बुजुर्ग और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए खतरा बना हुआ है। यह सवाल सभी के मन में उठ रहा है कि जब गर्मी के मौसम में वायरल संक्रमण कम हो जाते हैं, तो इस बार कोविड-19 के मामले क्यों बढ़ रहे हैं? विशेषज्ञ इन से इत्तेफाक नहीं रखते, उनके अनुसार इसके कारण हो सकते हैं। अधिकांश लोगों ने अंतिम टीका महीनों पहले लिया था। मास्क पहनना, सामाजिक दूरी आदि उपाय अब लगभग पूरी तरह बंद हो चुके हैं। जे एन.1 वेरिएंट में तेजी से फैलने की क्षमता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि इसे गंभीरता से लें और बिलकुल भी नजरअंदाज न करें। एम्स, दिल्ली के वरिष्ठ डॉक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने हाल ही में एक बयान में कहा, 'फिलहाल घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना चाहिए। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।' अन्य डॉक्टरों ने सलाह दी हैः हल्का बुखार और खांसी को नजरअंदाज न करें, तुरंत कोविड-19 परीक्षण कराएं, होम आइसोलेशन में रहें, डॉक्टर की सलाह पर ही दवा लें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश जारी किए हैं कि वेः सभी कोविड मामलों की जीनोमिक निगरानी करें, अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें, आर टी पी सी आर परीक्षण की संख्या बढ़ाएं, लोगों को सतर्क करने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाएं। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि विदेश से आने वाले किसी संक्रमित व्यक्ति से संक्रमण न फैले। फिलहाल किसी भी राज्य सरकार ने लॉकडाउन, स्कूल बंदी या मॉल पर पाबंदी की घोषणा नहीं की है। लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि यदि संक्रमण तेजी से फैला, तो क्षेत्रीय स्तर पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। कोविड-19 की पिछली लहरों में टीकाकरण ने बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन इस बार चुनौती यह है कि अधिकतर लोगों को अंतिम खुराक लिए हुए 6 महीने या उससे अधिक समय हो चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मांग है कि सरकार जल्द ही एक बूस्टर अभियान शुरू करे, खासकर 60 वर्ष से ऊपर के नागरिकों के लिए। डबल्यू एच ओ और भारत सरकार द्वारा सुझाए गए उपायों मेः- मास्क पहनना फिर से शुरू करें, खासकर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर। हाथ धोने और सैनिटाइजर का प्रयोग नियमित करें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। खांसी-जुकाम होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। टीका लगवाएं, और यदि बूस्टर उपलब्ध हो तो तुरंत लें। सोशल मीडिया पर जे एन.1 वेरिएंट को लेकर कई भ्रामक जानकारियां फैलाई जा रही हैं। कुछ लोग इसे 'डेडली स्ट्रेन' तो कुछ 'चाइनीज लैब वेरिएंट' कह रहे हैं। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है किः यह वेरिएंट घातक नहीं है, लेकिन संक्रामक है, कोई प्रमाण नहीं है कि यह किसी नई प्रयोगशाला से आया है, इससे घबराने की बजाय सतर्कता जरूरी है। अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों में जे एन.1 वेरिएंट पहले ही पहुंच चुका है। इन देशों ने जो कदम उठाए हैं, उनमें शामिल हैंः मास्क अनिवार्यता, टीकाकरण प्रमाणपत्रों की जांच, सीमित सामाजिक कार्यक्रम, निगरानी आधारित नियंत्रण, भारत को भी इन्हीं उपायों को अपने संदर्भ में लागू करने की जरूरत है। यदि संक्रमण तेजी से बढ़ता है, तो इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। पिछली लहरों में स्कूल, कॉलेज बंद होने से शिक्षा पर गंभीर असर पड़ा था। इस बार सरकारें शिक्षण संस्थानों को ऑनलाइन विकल्प तैयार रखने की सलाह दे रही हैं। महामारी का सबसे अदृश्य पहलू है मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव। लॉकडाउन, नौकरी जाने का डर, सामाजिक अलगाव – ये सब लोगों को तनाव, अवसाद और चिंता की ओर ले जाते हैं। विशेषज्ञों ने चेताया है कि यदि फिर से संक्रमण बढ़ा, तो मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करना आवश्यक होगा। अंत में हम कह सकते हैं कि हमें डरना नहीं, लेकिन सतर्क रहना आवश्यक है। इस बार सरकारें ज्यादा तैयार हैं, जनता को भी पहले का अनुभव है। स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत किया गया है, टीकाकरण हुआ है, और जागरूकता बढ़ी है। इस बार वायरस की प्रकृति हल्की है, लेकिन इसके फैलाव को रोकने के लिए हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

आज का राशिफल

मेषः आज के दिन नये कार्यों की शुरूआत से बचना आपके लिए हितकर रहेगा। आपकी सलाह दूसरों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है, फिर भी कार्यस्थल पर सहयोगियों से मतभेद हो सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल में सावधानी रखें। वित्तीय लेन-देन सोच-समझकर करें।

वृषभः दाम्पत्य जीवन में प्रेम और मधुरता बनी रहेगी। नये कार्यों को लेकर मन में उत्साह रहेगा। खासतौर पर सरकारी क्षेत्र में कार्यरत लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। विलासिता पर धन खर्च संभव है। एक साथ कई कार्य करने से बचें।

मिथुनः व्यवसाय में सुधार की संभावना है और पारिवारिक जीवन में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। पुराने विवादों से दूरी बनाए रखें। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा संभव है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं। कार्य के प्रति गंभीरता आवश्यक है।

कर्कः परिवार के सदस्य आज आप पर गर्व महसूस कर सकते हैं। हालांकि व्यवसाय में सतर्कता जरूरी है। रुका हुआ धन मिलने के योग बन सकते हैं। आध्यात्मिक चिंतन और अध्ययन में रुचि बढ़ सकती है। उच्च अधिकारियों से मतभेद हो सकता है, संभलकर रहें।

सिंहः दिन चुनौतीपूर्ण हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। आलस्य से बचें और समय प्रबंधन बेहतर बनाएं। वैवाहिक जीवन में विश्वास की कमी महसूस हो सकती है। प्रियजनों की सलाह पर ध्यान दें। मौसम का असर स्वास्थ्य पर दिख सकता है।

कन्याः कम प्रयासों में भी सफलता प्राप्त हो सकती है। आमदनी में बढ़ोतरी के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को उच्च पद की प्राप्ति संभव है। साक्षात्कार या चयन प्रक्रिया में भाग ले रहे लोगों के लिए दिन शुभ है। व्यवहार में विनम्रता बनाए रखें।

तुलाः आपका नजरिया जीवन के प्रति सकारात्मक हो सकता है। जीवनसाथी के साथ तालमेल उत्तम रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। प्रेम संबंधों को परिवार की सहमति मिल सकती है। करियर में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिकः मित्रों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। परिवार आपकी योजनाओं से प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में समय पर काम पूरे होंगे। आज नया कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है।

धनुः कार्यशैली में निखार आएगा। अनपेक्षित यात्रा करनी पड़ सकती है। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। वैवाहिक जीवन में हल्की-फुल्की नोकझोंक संभव है। कानूनी मामलों में सावधानी बरतें और आवश्यक दस्तावेज पूरे रखें।

मकरः परिवार में विवाह संबंधी चर्चाएं शुरू हो सकती हैं। प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित होंगे। समस्याओं का समाधान शांतिपूर्वक निकालने की कोशिश करें। समय का सदुपयोग करें और जीवनशैली को बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

कुंभः नयी संपत्ति खरीदने का विचार बन सकता है। परिस्थिति के अनुसार रणनीति में बदलाव करना फायदेमंद रहेगा। कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान दें। विरोधियों की गतिविधियों से सतर्क रहें। कार्यस्थल पर मानसिक दबाव संभव है।

मीनः कोई बड़ी मनोकामना आज पूरी हो सकती है। परेशानियों का समाधान मिल सकता है। आज धैर्यपूर्वक कार्य करें और जल्दबाजी से बचें। आज के दिन संतान के मार्गदर्शन पर ध्यान दें। अपने कार्यों पर एकाग्रता बनाए रखें।

नहीं चेते तो बढ़ेगा संकट

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस विशेष

अतुल गोयल (हि.स.)

मनुष्य की ही भांति जीव-जंतु और पेड़-पौधे भी इस धरती के अभिन्न अंग हैं। विडंबना यह है कि मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास की दौड़ में इनके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा कर दिया है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औद्योगीकरण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के चलते वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास उजड़ चुके हैं और वनस्पतियों की कई प्रजातियां लगभग समाप्ति की कगार पर हैं। पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें सभी जैविक और अजैविक तत्व एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, अब असंतुलित होता जा रहा है। यह असंतुलन न केवल जीव-जंतुओं के जीवन चक्र को प्रभावित कर रहा है बल्कि मनुष्य के अस्तित्व के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है।

दुनियाभर में हजारों वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। वनस्पतियों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति लुप्त होती है तो उससे जुड़ी कई अन्य प्रजातियों की कड़ी भी प्रभावित होती है, जिससे पूरी जैव श्रृंखला खतरे में पड़ जाती है। इस जैव विविधता की क्षति का असर सीधे-सीधे मानव जीवन पर भी पड़ रहा है, जिसे अब नजरअंदाज करना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।

लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है।

20 दिसंबर, 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव पास कर इस दिवस को मान्यता प्रदान की। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए।22 मई, 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस इस वर्ष प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकासह्ल विषय के साथ मनाया जा रहा है। पेड़-पौधों की संख्या पृथ्वी पर जिस तेज गति के साथ घट रही है, उसने न केवल पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ रहा है बल्कि अनेक जीव-जंतुओं और पक्षियों को उनके प्राकृतिक घरों से भी वंचित होना पड़ रहा है।

परिणामस्वरूप अनेक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों की स्पष्ट चेतावनी है कि यदि अब भी इस संकट की अनदेखी की गई तो निकट भविष्य में ऐसी भयावह स्थिति उत्पन्न होगी कि न केवल पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी बल्कि अनेक पशु-पक्षी भी धरती से सदा के लिए मिट जाएंगे। माना कि विकास आवश्यक है लेकिन वह ऐसा हो, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखे। खेतों में कीटों को नियंत्रित करने वाले चिड़िया, तीतर, कौआ, गिद्ध, मोर जैसे पक्षी भी आज विलुप्ति के कगार पर हैं। ये पक्षी न केवल किसानों के मित्र माने जाते रहे हैं बल्कि जैव विविधता की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। धरती पर जीवन को सुचारु और संतुलित बनाए रखने में जैव विविधता की बहुत अहम भूमिका है, इसलिए यदि हम आज ही सजग नहीं हुए और इन दुर्लभ प्रजातियों तथा उनके प्राकृतिक निवास की रक्षा नहीं की तो आने वाले समय में न केवल पर्यावरणीय संकट और तेजी से गहराएगा बल्कि मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।

(लेखक, न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर हैं।)

रंग, राग और ताल में जीकर देखें

नरेंद्र शर्मा परवाना (हि.स.)

जब हम अपने देश की संस्कृति की बात करते हैं, तो उसमें रंग, राग और ताल की झलक साफ दिखाई देती है। हमारी परंपराएं केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्होंने नृत्य के माध्यम से जीवन को छुआ है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य केवल मंच की कला नहीं, बल्कि आत्मा की भाषा है। यह शरीर से ज्यादा मन और आत्मा का संवाद है। इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं और इसकी शाखाएं सात समंदर पार तक फैली हैं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य का आरंभ वैदिक युग को ही माना जाता है।

नाट्य शास्त्र के रचयिता भरतमुनि ने इसका पहला व्यवस्थित स्वरूप दिया। वेद, पुराण और उपनिषदों में नृत्य को ईश्वर की आराधना का साधन बताया गया है। नटराज के रूप में भगवान शिव स्वयं नृत्य के देवता माने जाते हैं। शास्त्रीय नृत्य धीरे-धीरे देवालयों से राजदरबारों और फिर रंगमंच तक पहुंचा। यह कला हर युग में समाज का दर्पण रही है। कभी भक्ति की भावनाओं को प्रकट करती है, तो कभी शौर्य और करुणा को।

भरतनाट्यम को लोकप्रिय बनाने में ऋषि वल्लथोल नारायण मेनन, यामिनी कृष्णमूर्ति और रुक्मिणी देवी अरुंडेल का बड़ा योगदान रहा।

कथक को कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत करने वालीं सितारा देवी आज भी प्रेरणा हैं। ओडिसी नृत्य की पहचान बनीं संजुक्ता पाणिग्रही हों या कुचिपुड़ी को मंच तक लाने वाले राजा और राधा रेड्डी- इन सबने शास्त्रीय नृत्य को विश्वभर में पहचान दिलाई। फिल्म अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी जैसी कलाकार आज भी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं।

नृत्य एक कला है, साधना है, व्यायाम है। तभी तो हमारे पूर्वजों ने बताया कि शास्त्रीय नृत्य केवल एक कला नहीं, बल्कि पूर्ण व्यायाम है। इसकी हर मुद्रा, हर हाव-भाव शरीर को लचीला बनाता है, संतुलन देता है और आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। मानसिक रूप से यह ध्यान की तरह काम करता है। नृत्य करते समय कलाकार पूरी तरह वर्तमान में होता है, जिससे चिंता और तनाव से राहत मिलती है। बच्चों से लेकर बड़ों तक, सबके लिए यह एक बेहतरीन साधना है।

आज शास्त्रीय नृत्य की गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, फ्रांस, जापान, रूस, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में इसके विद्यालय और मंच हैं। कई विदेशी कलाकार भी इसे सीख रहे हैं और मंचों पर प्रस्तुत कर रहे हैं। यह नृत्य विश्व को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का माध्यम बन गया है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि शास्त्रीय नृत्य में अनुशासन, परिश्रम और समर्पण जैसे गुण स्वतः आते हैं। यह केवल कलाकार का नहीं, बल्कि समाज का भी निर्माण करता है। इससे सांस्कृतिक चेतना बढ़ती है, हमारी जड़ों से जुड़ाव होता है और यह आने वाली पीढ़ियों को एक मूल्य आधारित जीवन का मार्ग दिखाता है। एक कलाकार जब मंच पर अपने भावों से कोई कथा सुनाता है तो वह केवल कला नहीं करता वह समाज को सच्चाई, प्रेम और सौंदर्य का अनुभव कराता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य केवल अतीत की बात नहीं है। यह आज भी जीवित है, गतिमान है और हमारे जीवन को संवेदनशीलता से जोड़ता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कोरोना वायरस ने रूप बदलकर एक बार फिर से दस्तक दे दी है

अशोक भाटिया

कोरोना वायरस ने रूप बदलकर एक बार फिर से दस्तक दे दी है। सिंगापुर और हांगकांग में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी होने से भारत के लोग डरे हुए हैं। कोरोना का नाम सुनते ही हर किसी के जहन में फिर से साल 2020-21 की वो खौफनाक यादें ताजा हो उठती हैं, जिनको सोचने मात्र से ही रूह कांप जाए। एक बार फिर से केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र में कोरोना मरीज तेजी से बढ़ने लगे हैं। मुंबई के केईएम अस्पताल में दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत के बाद शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। पिछले कुछ महीनों से देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमती नजर आ रही थी। लोग राहत की सांस ले ही रहे थे कि, दो लोगों की मौत ने फिर से चेतावनी की घंटी बजा दी है। एक बार फिर कोविड-19 बता दिया है कि, ने उसे नजरअंदाबज करना भारी पड़ सकता है।

बताया जाता है कि हांगकांग में पिछले 10 हफ्तों में हर वीक कोविड केस 30 गुना से अधिक बढ़ गए हैं। लेकिन ये उछाल सिर्फ हांगकांग तक सीमित नहीं है। सिंगापुर में भी एक हफ्ते में करीब 30 फीसदी केस बढ़े हैं। चीन और थाईलैंड से भी कोविड के बढ़ते मामलों की रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं।हांगकांग ने 10 मई 2025 को खत्म हुए हफ्ते में कुल 1,042 कोविड केस रिपोर्ट किए। उससे पिछले हफ्ते ये आंकड़ा 972 था। मार्च की शुरूआत में यहां हफ्ते के सिर्फ 33 केस थे। यानी मार्च से लगातार केस बढ़ते जा रहे हैं।

सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि यहां पॉजिटिविटी रेट लगातार बढ़ रही है। 1 मार्च को खत्म हुए हफ्ते में पॉजिटिविटी रेट सिर्फ 0.31% थी। ये 5 अप्रैल तक 5.09% हो गई और 10 मई को खत्म हुए हफ्ते में बढ़कर 13.66% तक पहुंच गई।कोरोना का नया वेरिएंट खठ.1 कितना खतरनाक है, ये अब तक साफ नहीं हो सका है। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत अब तक मिला नहीं है जिससे ये कहा जा सके कि ये वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक है। या फिर ये ज्यादा तेजी से फैल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कमजोर इम्यूनिटी वालों को थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। ऐसे लोगों को ये आसानी से अपना निशाना बना सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक सोमवार को बुलाई थी। बैठक में देश में मौजूदा कोविड-19 की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना की स्थिति कंट्रोल में है। 19 मई तक भारत में कोरोना के 257 एक्टिव मामले पाए गए। ये आंकड़ा देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम है। मुंबई में 2 मरीजों की जान भी संक्रमण से जा चुकी है। भारत में कोरोना के ज्यादातर केस केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से मिले हैं। हालांकि, भारत में खठ-1 कोरोना वेरिएंट के सकुर्लेट होने की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीटीआई ने एक आधिकारिक सूत्र के हवाले से कहा, देश में पाए गए कोरोना के मामलों में लगभग सभी मामले हल्के हैं, इससे अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आश्वासन के बावजूद देखा जाय तो कोरोना वायरस आम से खास लोगों तक भी पहुंच गया है। हाल ही में बिग बॉस 18 में नजर आईं एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए अपने फॉलोअर्स से अलर्ट रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने और मास्क पहनने की अपील की है। मुंबई में तो पिछले तीन महीनों में मुंबई में हर महीने औसतन 7 से 10 नए कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जो भले ही संख्या में कम हैं, लेकिन इनको पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। खासकर तब जब एशिया के कुछ देशों जैसे हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से फैल रहा है।

बताया जाता है कि जो लोग पहले कोरोना वैक्सीन ले चुके हैं, उनके लिए भी कोरोना के नए वेरिएंट खठ।1 का खतरा है। एक स्टडी के मुताबिक, खठ1 का असर इम्यून सिस्टम पर न हो, ये कहना मुश्किल है। पहले की वैक्सीनें या इन्फेक्शन से बनी एंटी बॉडीज इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि इइ.1 ।5 मोनोवैलेंट बूस्टर डोज खठ1 वेरिएंट से लड़ने में मददगार है। हल्लड के मुताबिक, इस बूस्टर वैक्सीन को खासकर ओमिक्रॉन के इइ1. ।5 सब-वेरिएंट के लिए बनाया गया है। इसेस शरीर में एंटीबॉडीज बढ़ती हैं। ये डोज खठ1 से होने वाली बीमारी को 19% से 49% तक रोक सकती है। हांगकांग सरकार ने लोगों से साफ तौर पर कहा है कि सभी लोग खुद को सुरक्षित रखने के लिए पर्सनल और आस-पास की सफाई का ध्यान रखें। ताकि खुद को और दूसरों को कोविड से बचाया जा सके।कोविड केस बढ़ने के बाद हांगकांग सरकार ने खासतौर पर जिन्हें पहले से कोई बीमारी है या जिनकी इम्युनिटी कमजोर है, ऐसे हाई-रिस्क लोगों को सलाह दी है कि वे पिछली डोज या संक्रमण के कम से कम 6 महीने बाद एक और कोविड वैक्सीन की डोज जरूर लें। चाहे उन्होंने पहले कितनी भी डोज क्यों न ली हों।

सिंगापुर में कोविड केस 27 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में 11,100 थे, जो 3 मई के हफ्ते में बढ़कर 14,200 हो गए। यानी एक हफ्ते में करीब 30% का उछाल। यही नहीं, अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी रोज औसतन 102 से बढ़कर 133 हो गई है। ये आंकड़े सिंगापुर सरकार के हैं।सरकार का कहना है कि ये उछाल कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि लोगों में वैक्सीन से बनी इम्युनिटी का धीरे-धीरे कम हो जाना। इस वक्त सिंगापुर में जो कोविड वेरिएंट सबसे अधिक फैल रहे हैं, वो हैं छत्र्7 और ठइ।1 ।8। दोनों खठ।1 वेरिएंट की ही अगली पीढ़ी हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि खठ।1 वेरिएंट ही मौजूदा कोविड वैक्सीन बनाने में इस्तेमाल हुआ था। थाईलैंड में भी हाल ही में छुट्टियों के बाद कोविड केस तेजी से बढ़े हैं। इस साल अब तक वहां 71,067 केस और 19 मौतें रिपोर्ट की जा चुकी हैं।

एशिया के 2 देशों हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना के मामले जहां तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं भारत में भी अब डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। इस आंकड़े ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है।सिंगापुर में जहां मामलों की संख्या में 28% की वृद्धि हुई है, वहीं, हांगकांग में सिर्फ एक सप्ताह में 31 गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। सिंगापुर को हाई अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि कोविड-19 मामलों की अनुमानित संख्या 14,200 हो गई है। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30% की वृद्धि देखी गई।

वहीं, भारत में बढ़ते कोरोना के मामले पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि फिलहाल मामला कंट्रोल में है। बीते सोमवार को स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक हुई।

स्वास्थ्य मंत्रालयएक अधिकारी ने कहा कि लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारी ने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। देश में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (क्लरढ) और क्लटफ के माध्यम से कोरोना सहित वायरल श्वसन बीमारियों की निगरानी के लिए एक मजबूत प्रणाली है।देश में अधिकतर लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए अपना वैक्सीनेशन पूरा करा लिया है। लेकिन वैक्सीनेशन कोरोना के इस नए वेरिएंट से कितना बचाव करता है। इसका जवाब देते हुए डॉ। श्रेय श्रीवास्तव, कहते हैं कि वैक्सीन लगवा चुके लोगों का संक्रमण का खतरा काफी कम है। लेकिन फिर भी सावधानी जरूर रखनी चाहिए। वैक्सीन लेने से वायरस से संक्रमण में आने वाले गंभीर लक्षणों का खतरा टल जाता है।

अगर आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जा रहे हैं तो मास्क पहनना जरूरी है। चाहे मॉल हो, मेट्रो हो या स्कूल में बच्चों को छोड़ने जा रहे हों।साबुन से हाथ धोना या सैनिटाइजर का इस्तेमाल एक छोटी-सी आदत है, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए यह बुनियादी सावधानी जरूरी है।सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लेकिन सबसे बड़ी जिम्मेदारी आम जनता की है। हमें खुद को और अपनों को सुरक्षित रखने के लिए फिर से सतर्कता बरतनी होगी।जब तक हालात पूरी तरह सामान्य न हों, कोशिश करें कि भीड़ वाली जगहों पर न जाएं। सामाजिक दूरी आज भी उतनी ही जरूरी है जितनी पहले थी।अगर आपने अब तक बूस्टर डोज नहीं लगवाई है, तो देरी मत कीजिए। वैक्सीन संक्रमण को रोकने में सहायक है और गंभीर लक्षणों से भी बचाती है।बुखार, खांसी, गले में खराश या थकान, ये सब कोरोना के शुरूआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में खुद को आइसोलेट करें और टेस्ट जरूर कराएं।

साथ ही इन लक्षणों को पहचानें और खुद को बचाकर रखें जैसे हल्का बुखार या गले में खराश हो तो सतर्क हो जाएं, नाक बंद या बहना शुरू हो गई है तो खुद पर ध्यान दें,सिरदर्द और बदन में दर्द हो तो डॉक्टर से पास जाएं, थकान महसूस होना भी कोरोना के लक्षण हैं,सूखी खांसी या सांस लेने में तकलीफ होना कोरोना के लक्षण हैं।

कोरोना से डरने की नहीं, लेकिन सावधान रहने की जरूरत है। हमने पहले भी मिलकर इस वायरस को हराया है और अब भी वही एकजुटता और जिम्मेदारी जरूरी है। इस बार भी जीत हमारी ही होगी, अगर हम लापरवाही नहीं करेंगे। कोरोना कहीं गया नहीं है, बस हमारी नजर से ओझल हो गया था। अब जब वह फिर सामने है तो हमें भी फिर से तैयार होना होगा।

पहली बार मुख्यमंत्री ने धूरी में 'मुख्यमंत्री सहायता केंद्र' लोगों को समर्पित किया

लोगों को एक ही छत के नीचे नागरिक-केंद्रित सेवाएं देने के उद्देश्य से स्थापित किया सहायता केंद्र

संवाददाता

धूरी (संगरूर)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज धूरी हलके के निवासियों के लिए प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ शासन सुनिश्चित करने हेतु यहाँ नव-निर्मित 'मुख्यमंत्री सहायता केंद्र' लोगों को समर्पित किया।

इस केंद्र को समर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र धूरी हलके के निवासियों के लिए एक ही छत के नीचे सभी सरकारी सेवाओं तक पहुँचने के लिए 'सिंगल विंडो सिस्टम' के रूप में काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों और सरकारी कार्यालयों के बीच की खाई को खत्म करना, पारदर्शिता बढ़ाना, धूरी विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए डेटा और उसके विश्लेषण तक पहुँच को बेहतर बनाना, और नागरिकों की शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह केंद्र नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देगा, जनता का विश्वास कायम करेगा और सेवा प्रदान करने में प्रभावी ढंग से वृद्धि करेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह केंद्र 1.21 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया है और इसमें छह काउंटर तथा एक रिसेप्शन डेस्क है। उन्होंने आगे कहा कि इसमें एक मीटिंग-कम-कॉन्फ्रेंस हॉल भी शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य जनता और सरकारी कार्यालयों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना है। भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि यह केंद्र सार्वजनिक मुद्दों का समय पर समाधान करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पीसीएस अधिकारी इस केंद्र का प्रभारी होगा। यह अधिकारी लोगों को सेवाएं देने की व्यवस्था की निगरानी करेगा और क्षेत्र में विकास परियोजनाओं की भी देखरेख करेगा। उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पुलिस और प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि केंद्र में मौजूद रहेंगे। भगवंत सिंह मान ने बताया कि पंजाब सरकार इस समय सेवा केंद्रों के माध्यम से 443 सेवाएं प्रदान करती है और यह नई सुविधा लोगों को सेवाओं तक आसानी से पहुँचने में मदद करेगी।

उन्होंने आगे बताया कि पेंशन योजनाओं, आयुष्मान भारत योजना, आशीर्वाद योजना, लेबर कार्ड, आधार कार्ड अपडेट और अन्य कई योजनाओं के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया इस केंद्र में ही होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की मुख्य विशेषताओं में से एक यह है कि नागरिकों को अब बार-बार कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके बजाय काम पूरा होने तक यह केंद्र संबंधित विभागों के पास पैरवी करेगा।

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि सांझ केंद्रों के माध्यम से पासपोर्ट जारी करने, चरित्र प्रमाण पत्र, एफ.आई.आर., डी.डी.आर. की प्रतियां और लाउडस्पीकरों तथा कार्यक्रमों के लिए एन.ओ.सी. जैसी सेवाओं से संबंधित दस्तावेज तैयार करने में सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री सहायता केंद्र का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में नागरिकों को आमतौर पर पेश आने वाली परेशानी को खत्म करना है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि यह केंद्र आम लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरेगा।

गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा: मुख्यमंत्री भगवंत मान

संवाददाता

धूरी (संगरूर)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि राज्य सरकार गाँवों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

घनोरी कलां, घनोरी खुर्द, कातरों और चंगाली गाँवों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद लोगों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सरकारी विभाग एक-दूसरे के साथ मिलकर ग्रामीण आबादी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि पंजाब गाँवों में बसता है और 'रंगले पंजाब' का सपना तभी साकार हो सकता है, जब गाँव स्वच्छ और हरे-भरे हों। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र पर पहले से ही विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धूरी को सर्वांगीण विकास के माध्यम से मॉडल शहर के रूप में तैयार किया जाएगा और इसके लिए उचित धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस शहर में जल्द ही विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएँ, अच्छी सड़कें, साफ तालाब और नहरों के माध्यम से सिंचाई की सुविधा होगी। भगवंत सिंह मान ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के गाँवों के संपूर्ण विकास के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार गाँवों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि विकास के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का भी प्रयास किया जा रहा है ताकि पंजाब के लोगों को फायदा हो सके।

मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि इन पंचायतों में 129 विकास कार्यों के लिए कुल 13.98 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिनमें से 93 कार्य 8.67 करोड़ रुपये की लागत से पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 36 कार्य 5.31 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे हैं और जल्द ही पूरे हो जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन पाँच ग्राम पंचायतों की आवश्यकता के आधार पर 32 अतिरिक्त विकास कार्यों के लिए 12.19 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान भी जारी किया गया।

भारत के विकास में श्री राजीव गांधी का महान योगदान: बलबीर सिंह सिद्धू

संवाददाता

मोहाली

पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता बलबीर सिंह सिद्धू ने श्री राजीव गांधी जी को उनकी 34वीं पुण्यतिथि पर मोहाली स्थित उनके कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, श्री राजीव गांधी जी द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों को सदैव याद रखा जाएगा। भारत के विकास में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 40 साल की उम्र में वह भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने। कम उम्र के बावजूद उनकी सोच बहुत आधुनिक थी। वह भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना चाहते थे। सिद्धू ने आगे कहा, राजीव गांधी जी ने देश के आधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की नींव भी रखी, जिसे श्री राहुल गांधी जी ने आगे बढ़ाया और नए आयाम दिए। आईटी सेक्टर में आई क्रांति के कारण आज लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है और लोगों को सरकारी काम के लिए लंबी कतारों में नहीं खड़ा होना पड़ता।

उन्होंने मारुति कारों के लॉन्च को भी राजीव गांधी की दूरदर्शिता का परिणाम बताते हुए कहा, आज अगर हर घर में कार है तो यह उनकी नीति का परिणाम है। सिद्धू ने भावुक होते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी को हमेशा श्री राजीव गांधी जी की कमी खलेगी, लेकिन कांग्रेस पार्टी उनके सपनों को पूरा करने और पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस श्रद्धांजलि समारोह के दौरान मार्केट कमेटी खरड़ के पूर्व चेयरमैन और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरकेश चंद शर्मा मछली कलां, पार्षद कमलजीत सिंह बन्नी, सुच्चा सिंह कलौद, गुरचरण सिंह भामरा, गुरसाहिब सिंह, जगदीश सिंह जग्गा, नछत्तर सिंह, लखबीर सिंह, नवजोत सिंह बाछल, सभी पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप सिंह तंगोरी, बलबीर सिंह सेक्टर 67, मंडल अध्यक्ष प्रदीप सोनी, मंडल अध्यक्ष गुरमेज सिंह, मंडल अध्यक्ष श्री अशोक कोंडल, राजिंदर सिंह धर्मगढ़, हरदियाल चंद बडबर, सुरिंदर राजपूत पूर्व पार्षद, जसपाल सिंह टिवाणा, प्रकाश चंद, परमजीत सिंह चौहान, बलबीर सिंह फेज-5, जतिंदर सिंह सोढ़ी, करमजीत सिंह सिद्धू, डॉ. बाजवा शाही माजरा, नरिंदर कुमार फेज-6, डीपी शर्मा, गुरविंदर गोगी, मलकियत सिंह मोटर, कुलविंदर सिंह के अलावा रोमी, नरेंद्र कौशल, बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

फरीदकोट में गैंगस्टर अर्श डल्ला के दो साथी गिरफ्तार; दो पिस्तौल बरामद

संवाददाता

चंडीगढ़/फरीदकोट

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के तहत बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब ने फरीदकोट पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में विदेशी गैंगस्टर अर्श डल्ला के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान श्री मुक्तसर साहिब निवासी विशाल सिंह और फिरोजपुर के गांव गेमवाला निवासी ओंकार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से दो .30 बोर की पिस्तौलें और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी विशाल सिंह, जो हाल ही में जमानत पर बाहर आया था, अपने विरोधी गिरोह के सदस्य को खत्म करने की सरगरमी से योजना बना रहा था। आरोपी लगातार अपने विदेशी हैंडलरों के संपर्क में था और पंजाब में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के निर्देशों का इंतजार कर रहा था।

डीजीपी ने बताया कि इस मामले में अन्य साथियों की पहचान करने और अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है।

ऑपरेशन के संबंध में विवरण साझा करते हुए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) प्रमोद बान ने बताया कि डीएसपी राजन परविंदर की अगुवाई में एजीटीएफ की टीमों ने फरीदकोट क्षेत्र में आरोपियों की तलाश कर उन्हें फरीदकोट पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में सादिक के दाना मंडी चौक के पास से गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से हथियार बरामद किए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. प्रज्ञा जैन ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों व्यक्तियों का आपराधिक इतिहास है और उनके खिलाफ इरादतन कत्ल, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट आदि के कई मामले दर्ज हैं।

इस संबंध में फरीदकोट के थाना सादिक में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत एफआईआर नंबर 52, दिनांक 21/05/2025 दर्ज की गई है।

150 नशा तस्कर 7.2 किलोग्राम हेरोइन, 2.41 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार

संवाददाता

चंडीगढ़

- युद्ध नशों विरूद्ध का 81वां दिन
- नशा मुक्ति मुहिम के तहत पंजाब पुलिस ने 90 व्यक्तियों को नशा मुक्ति के इलाज के लिए प्रेरित किया

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर प्रदेश में नशीले पदार्थों के खिलाफ शुरू की गई मुहिम ह्ययुद्ध नशों विरूद्धह्ल के 81वें दिन बुधवार को पंजाब पुलिस ने 150 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 7.2 किलोग्राम हेरोइन, 297 किलोग्राम भुक्की और 2.41 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही सिर्फ 81 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 12,496 हो गई है।

यह कार्रवाई पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक साथ चलाई गई।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने का आदेश दिया है। पंजाब सरकार ने इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

अधिक जानकारी साझा करते हुए स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 89 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1300 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 471 स्थानों पर छापेमारी की, जिससे राज्य में 104 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस टीमों ने दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान 504 संदिग्ध व्यक्तियों की भी चैकिंग की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नशे के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एनफोर्समैंट, डी-एडिक्शन, प्रीवैंशन (एडीपी), लागू की गई है, जिसके तहत पंजाब पुलिस ने आज ह्यनशा मुक्तिह्ल मुहिम के अंतर्गत 90 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास के इलाज के लिए राजी किया है।

नंगल रोजगार मेले में 516 उम्मीदवारों को मिली नौकरी: हरजोत बैंस

मंत्री बैंस द्वारा आई. टी. आई. नंगल के रोजगार मेले का दौरा, नौजवानों को अपने हुनर को निखारने के लिए किया उत्साहित

संवाददाता

चंडीगढ़

नौजवानों को अधिक से अधिक नौकरियों के मौके प्रदान करने के प्रति पंजाब सरकार की वचनबद्धता के अंतर्गत आज आई. टी. आई. नंगल में तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा लगाए गए रोजगार मेले के दौरान 516 उम्मीदवारों को अलग अलग कंपनियों द्वारा ऑफर लेटर दिए गए।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये पंजाब के तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि इस रोजगार मेले के लिए कुल 1013 उम्मीदवारों ने नाम दर्ज करवाया था। इस रोजगार मेले में 26 पब्लिक और प्राईवेट क्षेत्र की कंपनियों ने भाग लिया और इस दौरान 516 उम्मीदवारों को ऑफर लेटर प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि स्वराज डिवीजन एम एंड एन, आर. एस. मैनपावर, बी. एस. एन. एल., एस. एम. एल. इसूज़ू और आई. टी. एल. सोनालिका जैसी प्रमुख कंपनियों की तरफ से 224 उम्मीदवारों का चयन किया गया, जोकि कुल प्लेसमेंट का लगभग 43.4 फीसद है।

कैबिनेट मंत्री ने आई. टी. आई. नंगल में रोजगार मेले का दौरा किया, नौजवानों को अपने हुनर को और निखारने के लिए उत्साहित किया क्योंकि पंजाब सरकार सरकारी और निजी क्षेत्रों में हजारों रोजगार के मौके प्रदान कर रही है।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि नौजवानों को रोजगार के मौके प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के अथक यत्नों के सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उद्योग जगत की जरूरतों और हुनरमंद कार्यबल के बीच की दूरी को खत्म करके नौजवानों को रोजगार के समर्थ बनाने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले की सफलता राज्य के मजबूत उद्योग-अकादमिक मंच और विद्यार्थियों की योग्यता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि जिन उम्मीदवारों को नौकरी की पेशकश नहीं हुई, उनके साथ तकनीकी शिक्षा विभाग संपर्क करेगा और उनकी योग्यता के अनुसार उचित रोजगार के मौके प्रदान करेगा जिससे उनको आत्म- निर्भर बनाया जा सके।

ब्लैक बोर्ड से सत्ता के गलियारों तक: पंजाब ने सरकारी स्कूलों के टॉपर्स को बड़े सपने लेने और नेतृत्व करने के समक्ष बनाया

पंजाब सरकार द्वारा छात्रों के लिए अनोखी पहल एक दिन डी.सी./एस.एस.पी. के संग की शुरूआत

संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज घोषणा की कि सरकारी स्कूलों के छात्रों द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र में हासिल की उपलब्धियों का जश्न मनाने और उनमें नेतृत्व के गुण विकसित करने के लिए अहम कदम उठाते हुये मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने एक अनूठी पहल एक दिन डी.सी./एस.एस.पी. के संग शुरू की है जिससे इन होनहार युवाओं को वास्तविक प्रशासनिक कार्य प्रणाली, अनुशासन और जन सेवा के बारे में सार्थक समझ प्रदान की जा सके।

इस पहल की जानकारी देते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि ह्यएक दिन डी.सी./एस.एस.पी. के संगह्ल के तहत हर जिले के 10वीं और 12वीं कक्षा के 3-3 (कुल 6) टॉपर्स अपने जिले के डिप्टी कमिश्नर और एस.एस.पी. से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि यह अनुभव छात्रों को प्रशासन और कानून लागूकरन में निभाई जाने वाली लीडरशिप भूमिकाओं के बारे में जानकारी देते हुये उनको समर्पण, कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी का सीधा अनुभव देगा। इससे उन्हें जन सेवा और शासन में मूल्यवान सीख मिलेगी।

शिक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य होनहार छात्रों को प्रेरित करना और सक्षम बनाना है, ताकि उनके भीतर कुछ कर दिखाने और अपने लक्ष्य प्राप्ति की चिंगारी जले। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्य प्रणाली और नेतृत्व की दुनिया में अपने आपको शामिल करके ये युवा प्रशासनिक कामकाज, लोक सेवा और समाज को नया स्वरूप देने में नेतृत्व की भूमिका के महत्व को समझेंगे। स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, हम अपने छात्रों को अनुभवी अधिकारियों से सीखने का एक मंच प्रदान कर रहे हैं, जो उन्हें जन सेवा में अपना करियर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करेगा और जिम्मेदारी तथा नागरिक सहभागिता की भावना जागृत करने के साथ-साथ बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिये कौशल प्राप्त करने हेतु उत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि जब ये छात्र इस अनूठे सफर का अनुभव करेंगे, तो वे इससे सीख लेकर अपने व्यक्तित्व विकास और अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए इसका पूरा आनंद लेंगे। उन्होंने बताया कि सुयोग्य ढंग से तैयार किये गये इस प्रोग्राम के तहत कई तरह की गतिविधियां शामिल होंगी, जिनमें शिकायत निवारण सत्र, साइबर सेल संचालन, योजनाबद्ध बैठकें, विकास परियोजनाओं के लिए फील्ड विजिट और अन्य संबंधित व्यस्तताओं जैसी वास्तविक प्रशासनिक व पुलिसिंग गतिविधियों से सीख लेना शामिल होगा। इसके अलावा छात्र अधिकारियों के साथ दोपहर भोज का भी आनंद लेंगे, जो छात्रों को अपनी इच्छाएं साझा करने और करियर मार्गदर्शन प्राप्त करने का एक खुला मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के अंत में, छात्रों को भागीदारी का प्रमाण पत्र, एक प्रेरणादायक किताब या डायरी और अधिकारी के साथ ली गई समूह तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह छात्रों द्वारा प्राप्त किये गये अनुभवों के बारे में जानने के लिए एक विस्तृत फीडबैक और सलाह सैशन भी आयोजित किया जाएगा। इस पहल के अनुभवों को दस्तावेजी रूप देने के लिए हर जिले के अधिकारियों द्वारा छात्रों के विचारों से लैस एक लिखित नोट तैयार किया जायेगा, जिसे आगे जिला मेरिट बुकलेट के रूप में तैयार किया जाएगा। स्कूलों से भाग लेने वाले छात्रों को अपने अनुभव साथी छात्रों के साथ साझा करने का भी न्योता दिया जाएगा, ताकि बाकी छात्रों में भी इच्छाएं पैदा करने सहित कुछ कर गुजरने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। स. बैंस ने छात्रों को गहरी समझ और प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्राप्त करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्र खोज, व्यक्तित्व विकास और प्रेरणा से भरे इस दिन का अधिकतम लाभ उठाएंगे और यह दिन उनके जीवन पर अमिट छाप छोड़ते हुए उन्हें एक सशक्त नेता के रूप में उभरने में उनके भविष्य को आकार देगा।

संक्षिप्त-समाचार

पंजाब सरकार द्वारा सब डिवीजन कपूरथला में 23 मई को अवकाश की घोषणा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने सब डिवीजन कपूरथला में 23 मई, 2025 को अवकाश घोषित किया है। इस संबंधी जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि आज जारी की गई अधिसूचना के अनुसार यह अवकाश माता भद्रकाली जी के ऐतिहासिक मेले (शेखूपुर) के अवसर पर दिनांक 23.05.2025 (दिन शुक्रवार) को सब डिवीजन कपूरथला के अधीन सभी सरकारी कार्यालयों/निगमों/बोर्डों/शैक्षणिक संस्थानों (जिन संस्थानों में परीक्षा हो रही है, उन्हें छोड़कर) और अन्य सरकारी संस्थाओं में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

दो किलो हेरोइन व 25 लाख रुपये की ड्रग्स मनी समेत तीन तस्कर काबू

फिरोजपुर। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तलाशी दौरान इनके पास से दो किलो 70 ग्राम हेरोइन, 25 लाख 12 हजार रुपये की ड्रग्स मनी और एक कार बरामद हुई है। उधर, थाना घल्लखुर्द पुलिस ने बुधवार उक्त तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है। एसएसपी भूपेंद्र सिंह सिद्धू ने बताया कि उनकी पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त आरोपी पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम हेरोइन मंगवा कर आगे सप्लाई करते हैं। इस समय भी कार में सवार होकर हेरोइन की बड़ी खेप लेकर कहीं सप्लाई करने जा रहे हैं। उक्त सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी की और आरोपियों को काबू किया। कार की तलाशी लेने पर दो किलो 70 ग्राम हेरोइन व 25 लाख 12 हजार रुपये की ड्रग्स मनी बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कर्ण 22 वर्षीय पुत्र राज कुमार, रोहित 23 वर्षीय पुत्र सूबा सिंह व आकाशदीप 24 वर्षीय पुत्र राज कुमार वासी गांव बुक्कन खां वाला के रूप में हुई है। एसएसपी ने बताया कि कर्ण के खिलाफ पहले दो केस और आकाशदीप के खिलाफ एक मामला दर्ज हैं। एसएसपी ने कहा कि इनका नेटवर्क बहुत बड़ा है।

प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर 'दिव्यांग पुनर्वास केन्द्रों' की स्थापना प्राथमिकता के आधार पर करें: योगी

मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

संवाददाता
लखनऊ

- दिव्यांग युवाओं के लिए संचालित शैक्षिक संस्थानों में प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता: सीएम

फोटोः हि.स.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यों की समीक्षा की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दिव्यांग युवाओं के लिए संचालित शैक्षिक संस्थानों में प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, सजग और सतर्क रहने की आवश्यकता है। कुछ अराजक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से दिव्यांगजनों के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भ्रम फैलाकर उन्हें अवांछित और समाजविरोधी गतिविधियों की ओर प्रवृत्त करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति हमें पूर्णतः सतर्क रहते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक-सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा। इन संस्थानों में सहायता के नाम पर प्रस्ताव देने वाली बाहरी संस्थाओं की पृष्ठभूमि की गहन जांच-पड़ताल के उपरान्त ही उनकी अनुमति दी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के सभी बचपन डे केयर सेन्टरों, मानसिक मन्दित आश्रय केन्द्रों, समेकित विद्यालयों तथा 'ममता', 'स्पर्श' और 'संकेत' विद्यालयों का व्यापक निरीक्षण किया जाए। यहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और अभिभावकों की अपेक्षाओं को समझते हुए संस्थागत व्यवस्थाएं और अधिक सुदृढ़ की जाएं। इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए। जब तक नियमित नियुक्ति न हो, तब तक अन्य वैकल्पिक व्यवस्था से योग्य युवाओं की सेवाएं ली जाएं। इन युवाओं को भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में वेटेज प्रदान किया जाना चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों तथा कार्ययोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समस्त कल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुसज्जित हों तथा लक्षित लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से लाभ प्रदान करें। विगत 08 वर्षों में 11.04 लाख लाभार्थियों को 1,300 करोड़ रुपये की पेंशन राशि वितरित की गई है, जबकि कुष्ठरोग पीड़ित लगभग 12 हजार व्यक्तियों को 3000 रुपये प्रतिमाह की दर से सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्यस्तरीय अभियान चलाकर यह पता लगाया जाए कि किन पात्र व्यक्तियों को अभी तक पेंशन नहीं मिल रही है, साथ ही जो अपात्र लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि विगत वित्तीय वर्ष में 35,136 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ब्रेल किट्स जैसे सहायक उपकरणों के लिए 28.93 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना के अन्तर्गत 270 अत्यन्त दिव्यांगजन को 02 लाख रुपये तक के उपकरण उपलब्ध कराए गये।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को यह भी अवगत कराया गया कि दिव्यांगजन पेंशन योजना के अन्तर्गत वर्तमान में विभाग के बजट में दस गुना से अधिक वृद्धि की गई है, जो दिव्यांगजनों के प्रति सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सुशासन तिहार: सर्वे सूची में शामिल हितग्राहियों को मिलेगा पीएम आवास: मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे जशपुर जिले के दोकड़ा, कॉलेज खोलने सहित की कई घोषणाएं

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

फोटोः हि.स.

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हेलीकॉप्टर आज बुधवार को जशपुर जिले के ग्राम दोकड़ा में अचानक उतरा और वे वहां आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर दोकडा में कालेज और मिनी स्टेडियम की घोषणा की। उन्होंने वहां के प्राथमिकता स्वास्थ्य केन्द्र, वनवासी कल्याण आश्रम के उन्नयन, के साथ ही डोरियामुडा जलाशय का सौन्दर्यकरण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मंगल भवन के जिर्णोद्धार के लिए 20 लाख और शिव मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार कराए जाने की भी मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम लोग गांव-गांव पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वे सूची में जितने भी हितग्राहियों का नाम है सभी को पीएम आवास स्वीकृत किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्षों में मोदी की अधिकांश गारंटी को हमारी सरकार ने पूरा किया है। सुशासन तिहार के दौरान पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को नए आवास स्वीकृति के साथ ही पूर्ण हो चुके गए पीएम आवासों की चाँबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सशासन तिहार के अंतर्गत शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं और मांगों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में लोगों को ऑनलाईन तथा बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र खोला गया है इन केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन विभिन्न प्रकार के दस्तावेज प्राप्त करने और राशि के लेन-देन की सुविधा ग्रामीणों को मिलने लगी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी पत्नी कौशल्या साय, सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक गोमती साय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को गृह प्रवेश के लिए घर की चाबी तथा नए आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र, हितग्राहियों को मुद्रा लोन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, नए राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, मछली जाल और आईस बाक्स, मनरेगा जाब कार्ड, वालीबॉल और क्रिकेट खिलाड़ियों को किट प्रदान किए। उन्होंने इस मौके पर हायर सेकेण्डरी और हाईस्कूल के बोर्ड परीक्षा में मेरिट लिस्ट में आने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

स्पेन में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर के पूर्व सहयोगी एंड्री पोर्टनोव की हत्या

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड (स्पेन)

स्पेन की राजधानी मैड्रिड के उपनगर में रूस समर्थक यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच के पूर्व वरिष्ठ सहयोगी एंड्री वलोडिमिरोविच पोर्टनोव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। 51 वर्षीय पोर्टनोव को सुबह गोली मारी गई। पोर्टनोव की हत्या के बाद पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया।

सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, यह जानकारी स्पेनिश राष्ट्रीय पुलिस के एक सूत्र ने दी। सूत्र ने बताया कि 51 वर्षीय पोर्टनोव को स्थानीय समयानुसार सुबह 9:15 बजे (ईटी के अनुसार सुबह 3:15 बजे) कार में बैठते समय गोली मारी गई। हमलावरों ने उनकी पीठ और सिर में गोली मारी और जंगल की तरफ भाग गए। यह घटना मैड्रिड के पश्चिम में एक समृद्ध उपनगर पॉजुएलो डी अलाराकॉन में स्थित द अमेरिकन स्कूल ऑफ मैड्रिड के बाहर हुई। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, स्पेन और अन्य देशों के 1,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं।

द अमेरिकन स्कूल ऑफ मैड्रिड के सूत्रों के अनुसार, सभी विद्यार्थी सुरक्षित हैं। माना जा रहा है कि पोर्टनोव का बेटा इस स्कूल में पढ़ता है।

टेक्सास में भारतीय मूल के उद्यमी की बस में नृशंस हत्या, आरोपित भारतीय नागरिक गिरफ्तार

ऑस्टिन (टेक्सास)। अमेरिका के टेक्सास राज्य की राजधानी ऑस्टिन में एक भयावह घटना में भारतीय मूल के 30 वर्षीय उद्यमी अक्षय गुप्ता की एक सार्वजनिक बस में बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना 14 मई की शाम उस समय हुई जब गुप्ता बस में सफर कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, उन पर एक अन्य भारतीय नागरिक ने अचानक हमला कर दिया। अक्षय गुप्ता एक स्वास्थ्य-तकनीक स्टार्टअप के सह-संस्थापक थे और ऑस्टिन में सक्रिय उद्यमियों में शामिल थे। ऑस्टिन पुलिस विभाग के मुताबिक, उन्हें एक बस में चाकू से हमला किए जाने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर पहुंचने पर गुप्ता को गंभीर चोटों के साथ पाया गया। हालांकि प्राथमिक उपचार और जीवन रक्षक प्रयास किए गए, लेकिन उन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। इस हमले का आरोपित 31 वर्षीय दीपक कंडेल नामक व्यक्ति है, जो भारतीय मूल का ही है और फिलहाल बेघर था। जांच में सामने आया कि वह बस में अक्षय के पास बैठा था और बिना किसी उकसावे के उसने उनकी गर्दन पर 'बुचर स्टाइल' चाकू से हमला कर दिया।

बलूचिस्तान में आर्मी स्कूल की बस पर आत्मघाती हमला, पांच की मौत

एजेंसी (हि.स.)
क्वेटा

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में बुधवार को हुए आत्मघाती आतंकी हमले में पांच लोगों की जान चली गई और 38 से अधिक बच्चे घायल हो गए। हमलावर ने आर्मी पब्लिक स्कूल को निशाना बनाया। फिलहाल किसी भी आतंकी समूह या संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

अल जजीरा चैनल की खबर के अनुसार खुजदार के सरकारी अधिकारी यासिर इकबाल दशती ने बताया कि बुधवार को हुए आतंकी हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 38 बच्चे घायल हो गए। उन्होंने कहा कि बस सुबह बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। तभी उसे निशाना बनाया गया। सेना ने बयान में कहा कि हमले में कम से कम तीन बच्चे और दो वयस्क मारे गए।

गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने खुजदार के जीरो पॉइंट इलाके के पास हुए हमले की निंदा की और मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख और शोक जताया है। उन्होंने कहा कि दुश्मन ने मासूम बच्चों पर बर्बरता से हमला किया। स्कूल बस पर हमला देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए दुश्मन की एक जघन्य साजिश है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट बहुत घातक है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है।

खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध बलूचिस्तान प्रांत में सरकार और जातीय बलूच अलगाववादियों के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है। आज का यह हमला बलूचिस्तान के किल्लाह अब्दुल्लाह के एक बाजार के पास कार बम विस्फोट में चार लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद हुआ है। इससे पहले बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने मार्च में बलूचिस्तान में एक ट्रेन को हाईजैक कर 33 लोगों को मार डाला था। इनमें से ज्यादातर सैनिक थे।

ईपीएफओ ने मार्च 2025 के दौरान 14.58 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। सेवानिवृति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च महीने के दौरान कुल 14.58 लाख सदस्य जोड़े हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.15 फीसदी अधिक है। ईपीएफओ ने इस साल मार्च में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। यह फरवरी, 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 फीसदी और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 फीसदी अधिक है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि नए सदस्यों की संख्या में वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल जागरूकता कार्यक्रमों के कारण है। मंत्रालय ने बताया कि इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर व्यक्ति युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग के 4.45 लाख सदस्य थे, जिससे नए सदस्यों में इनकी हिस्सेदारी 58.94 फीसदी रही।

नेपाल में संसदीय समिति के अध्यक्ष पर बैठक में ही महिला सांसद ने फेंका माइक

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल में महिला एवं समाज कल्याण मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह पर बैठक के दौरान समिति की एक महिला सदस्य कल्पना मियां ने माइक फेंक कर हमला किया। हालांकि माइक हमले से साह ने खुद को बचा लिया। कल्पना मियां सीपीएन (एमसी) की सांसद हैं। समिति की बैठक में देर से पहुंचीं सांसद कल्पना मियां बिना अध्यक्ष की अनुमति के ही बोलने लगीं तो उनको रोकने का प्रयास किया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने अध्यक्ष पर माइक फेंक कर प्रहार किया। इस संबंध में संसदीय समिति के अध्यक्ष किरण साह ने बताया कि एक तो विलंब से समिति की बैठक में पहुंचीं और बिना अनुमति के ही बोलने लगीं। साह ने बताया कि जब उन्होंने उन्हें बीच में नहीं बोलने को कहा और अपने स्थान पर बैठने को कहा तो उन्होंने मुझ पर माइक फेंका। उधर, कल्पना मियां का कहना है कि समिति की बैठक में उन्होंने अपना पक्ष रखने की बार-बार कोशिश की पर अध्यक्ष ने उन्हें अनुमति नहीं दी। बाद में बिना अनुमति के ही बोलने लगी जिसके बाद उन्हें टोका गया और गुस्से में आकर अध्यक्ष पर ही माइक फेंक दिया।

हर वर्ग का विकास हमारा संकल्प: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- अखिल भारतीय रैगर महासभा का प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला, गरीब, युवा और किसान सहित हर वर्ग के उत्थान से ही देश का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि देश का हर वर्ग, हर जाति और हर समाज उन्नति कर रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संत जीवाराम, संत आत्माराम और बाबा साहेब अम्बेडकर को नमन कर समाज प्रतिभाओं को बधाइयां दीं। शर्मा ने कहा कि आजादी पूर्व से ही रैगर समाज का राष्ट्रहित में अहम योगदान रहा है। हमारी सरकार ने भी आवश्यक निर्णय लेकर सभी समाजों के विकास कार्यों को गति दी है। इस दौरान उन्होंने देश में संस्कृति, विरासत और समाज समानता में अहम भूमिका निभाने वाले ह्यसंत आत्माराम लक्ष्यह्व का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे संत आत्माराम लक्ष्य के विचारों को आत्मसात कर युवा राष्ट्र विकास के मार्ग पर चल सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समतामूलक और शिक्षित समाज की परिकल्पना की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं। भावी पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र विकास में योगदान, अमूल्य कार्यों व विचारों से प्रेरणा मिलेगी। इसके लिए उनके जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित गया है। उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को पंचतीर्थों का भ्रमण करा रही है।

शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण एवं श्रम सुधार जैसे क्षेत्रों में बाबा साहब ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इजराइल ने गाजा पर बमबारी की, 42 की मौत, संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 14 हजार बच्चे भूख से बेहाल

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
गाजा पट्टी

इजराइल की सेना द्वारा गाजा पर की गई बमबारी में आज बुधवार को सुबह से कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने इस क्षेत्र में भयावह युद्ध को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ की चिंता को खारिज कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 14,000 बच्चे (शिशु) भूख से बेहाल हैं। अगर 48 घंटों के भीतर इनको खाद्य सामग्री नहीं मिल पाई तो इनकी जान का खतरा है।

अल जजीरा न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजराइली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी है। कुछ सहायता सामग्री लेकर ट्रक क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा पर इजराइल के युद्ध में कम से कम 53,573 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 121,688 घायल हुए हैं। सरकारी मीडिया ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया।

फिलिस्तीन राज्य की आधिकारिक न्यूज एजेंसी वाफा के अनुसार इजराइली सैनिकों ने बेथलहम के अल-दोहा शहर से दो भाइयों को गिरफ्तार किया है।

मध्य प्रदेश देश का दिल, इसकी धड़कनों में प्रदेश की आहट होना चाहिए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में प्रदेश के 60 युवाओं का चयन गर्व का विषय: मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का दिल है और देश की धड़कनों में मध्य प्रदेश की आहट होना चाहिए। यह प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा, योग्यता और दक्षता से ही संभव है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा वर्ष 2024 में प्रदेश के 60 युवाओं का चयन मध्य प्रदेश की क्षमता को दर्शाता है। प्रदेश के यह युवा, देश की अलग-अलग सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और पूरा देश हमारे प्रदेश के प्रभाव का अनुभव करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में चयनित प्रतिभागियों के सम्मान तथा उनसे संवाद के लिए बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह तथा भारतीय ज्ञान परम्परा पुस्तक की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर ई-ज्ञानसेतु यूट्यूब चैनल का लोकार्पण भी किया। उन्होंने पुस्तिका ₹मध्य प्रदेश की प्रतिभाओं का परचम₹ का विमोचन किया। इस अवसर पर ई-ज्ञानसेतु और चयनित प्रतिभागियों पर वृत चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, प्रतिभागी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश को एक स्वस्थ्य लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की ही देन है कि जमीन से जुड़े व्यक्ति को भी देश-प्रदेश का नेतृत्व करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। यह भी गर्व का विषय है कि सिविल सेवा में चयनित अधिकांश युवाओं ने शासकीय स्कूलों से पढ़ाई की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता संग्राम में श्रद्धेय नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वासियों की योग्यता को सिद्ध करने के लिए ही उन्होंने आईसीएस की परीक्षा दी और उसमें सफलता प्राप्त कर अंग्रेजों का घमंड तोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की न्यायप्रियता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के उद्धरण देते हुए अभ्यर्थियों से अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जनसामान्य के प्रति संवेदनशील, जनकल्याण के लिए सक्रिय और लोकहित के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। उन्होंने अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जन कल्याण और देश का विकास लोक सेवा का मुख्य उद्देश्य है। चयनित अभ्यर्थी अपनी कार्यकुशलता और निपुणता के साथ परिश्रम करेंगे तो उनके कार्यों और भावनाओं की सुगंध चंदन की तरह वातावरण में फैलेगी। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में प्रदेश के युवाओं का चयन प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। आप सबके सहयोग से प्रदेश के सपनों को साकार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में सिविल सेवा परीक्षा के लिए कोचिंग की व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य शासन विशेष प्रयास कर रहा है। इस वर्ष शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों का चयन हुआ है, जो दर्शाता है कि न केवल स्कूल शिक्षा अपितु उच्च शिक्षा का भी ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से विस्तार हुआ है।

संक्षिप्त-समाचार

श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया का बेटा रामिथ भी गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे और पूर्व क्रिकेटर रामिथ रामबुकवेला को भी भ्रष्टाचार जांच आयोग ने लगभग 10 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन पहले कोलंबो की एक अदालत ने उनके पिता से जुड़े मामले में उन्हें संदिग्ध के रूप में नामित करने की अनुमति प्रदान की थी। डेली न्यूज की खबर के अनुसार, केहेलिया ने भ्रष्टाचार का खुलासा होने पर फरवरी 2024 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वह इस समय अदालत के आदेश पर पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में हैं। श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट के अनुसार, रामिथ रामबुकवेला आज सुबह भ्रष्टाचार जांच आयोग के समक्ष पेश हुए। कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट की अदालत ने 20 मई को सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री केहेलिया रामबुकवेला के बेटे रामिथ रामबुकवेला को अगले दिन आयोग के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। यह भ्रष्टाचार आठ मिलियन रुपये से अधिक का बताया गया है। केहेलिया रामबुकवेला 2021 से 2023 तक मास मीडिया, स्वास्थ्य और पर्यावरण मंत्री रह चुके हैं। यह भ्रष्टाचार उसी समय का बताया जा रहा है। आरोप है कि उन्होंने नकली दवा खरीद घोटाले के अलावा अपने कार्यकाल के दौरान निजी कर्मचारियों में कई करीबी सहयोगियों को नियुक्त किया और उनकी ओर से अवैध रूप से भत्ते प्राप्त किए। आयोग की जांच में सामने आया है कि इससे सरकार को आठ मिलियन रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है। उनका बेटा रमिथ रामबुकवेला इस मामले दूसरा संदिग्ध बताया गया है।

नेपाल सरकार 500 और 1000 नोट पर छापेगी विवादित नक्शा, बैंक गवर्नर के हस्ताक्षर

काठमांडू। नेपाल राष्ट्र बैंक के नवनियुक्त गवर्नर विश्व पौडेल ने बुधवार को अपना कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने चार्ज लेते ही 500 और 1000 नोट पर विवादित नक्शा छापने के फैसले पर हस्ताक्षर किये हैं। नेपाल सरकार ने विश्व पौडेल को नेपाल राष्ट्र बैंक का गवर्नर नियुक्त किया है। मंगलवार की शाम को कैबिनेट बैठक में पौडेल को गवर्नर बनाने का फैसला लिया गया। इसके बाद बुधवार को सुबह शपथग्रहण के बाद पौडेल ने अपना कार्यभार संभाला है। उन्होंने अपने पहले निर्णय में ही विवादित नक्शे सहित का नया नोट छापने के निर्णय पर हस्ताक्षर किया है। इस निर्णय पर हस्ताक्षर करते हुए नवनियुक्त गवर्नर पौडेल ने कहा कि नए नोट की कमी नहीं हो, इसलिए इसका निर्णय किया गया है। विवादित नक्शे के बारे में उन्होंने कहा कि जब देश के संविधान में नए नक्शे के साथ संशोधन हो गया है और नेपाल सरकार ने उसी नक्शे के साथ नए नोट छापने का फैसला कर लिया है, तो फिर उसे नहीं रोक जा सकता है।

केएफसी ने नई किफायती 'एपिक सेवर्स' रेंज पेश की, अब 299 रुपये में मिलेगा बेहतरीन स्वाद

नई दिल्ली। देश के सबसे पसंदीदा क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स में से एक केएफसी इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए ₹एपिक सेवर्स₹ नामक एक नया प्रमोशनल ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत सिर्फ 299 रुपये में आप 7 बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स और 2 हॉट एंड क्रिस्पी चिकन पीसेज का मजा ले सकते हैं। ब्रांड ने इसके साथ एक नया कैंपेन फिल्म भी लॉन्च किया है जिसमें बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और एंटरटेनमेंट की दुनिया के जाने-माने नाम दानिश सैत नजर आ रहे हैं। दोनों अपने खास अंदाज में केएफसी की इस ऑफर को लेकर एक्साइटमेंट और चिकन लवर्स वाली मस्ती दिखाते हैं और यही वाइब नए ग्राहकों को भी तुरंत जोड़ लेती है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह ऑफर देशभर के 1300 से ज्यादा केएफसी रेस्टोरेंट्स में उपलब्ध है, लेकिन सिर्फ डाइन-इन ऑर्डर के लिए वैध है। यह खासकर उन लोगों के लिए हिट है जो कम खर्च करके बेहतरीन स्वाद का आनंद लेना चाहते हैं। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है। केएफसी इंडिया और पार्टनर कंट्रीज की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अपर्णा भवाल ने कहा, ह्नएपिक सेवर्स के जरिए हम उपभोक्ताओं को एक बेहद प्रतिस्पर्धी कीमत पर वैल्यू और स्वाद दोनों दे रहे हैं। 299 रुपये में केएफसी के 9 सिग्नेचर पीस-यह हमारे अब तक के सबसे प्रभावशाली वैल्यू ऑफर्स में से एक है। उन्होंने बताया कि इस रेंज को खासतौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्वाद के साथ-साथ किफायत को भी अहमियत देते हैं। यह ऑफर केवल डाइन-इन के लिए उपलब्ध है, और यही इसे आउटलेट विज़िट के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाता है ह्न उल्लेखनीय है कि केएफसी के दुनियाभर में 145 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 26,000 से ज्यादा रेस्टोरेंट्स हैं, जो इसकी वैश्विक मौजूदगी और लोकप्रियता को दर्शाता है।

कुमारस्वामी ने देश में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को एक अंतर-मंत्रालयी बैठक में देशभर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव योजना में देशभर में 72,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का परिव्यय तय किया गया। केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने देशभर में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की समीक्षा करने तथा उसमें तेजी लाने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्रालय ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ पीएम ई-ड्राइव योजना देशभर में करीब 72,000 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना का समर्थन करेगी। इन स्टेशनों को 50 राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों के साथ-साथ मेट्रो शहरों, टोल प्लाजा, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, ईंधन आउटलेट और राज्य राजमार्गों जैसे उच्च-यातायात स्थलों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन की समीक्षा करने और इसमें तेजी लाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय बैठक में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित परिवहन के जरिए नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत, सुलभ एवं भविष्य के लिए तैयार ईवी परिवेश के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने के लिए दो वर्षों में 24.79 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया, 3.16 लाख ई-तिपहिया और 14,028 ई-बस का समर्थन करेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलों की शक्ति' वाले संदेश से मिली प्रेरणा : कोच पुलेनो

'खेलो इंडिया बीच गेम्स भारत के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होंगे'

एजेंसी (हि.स.)
दीव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के उद्घाटन पर एक वीडियो संदेश में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति की बात की और कहा कि यह आयोजन भारत के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। नगालैंड की महिला सेपक टकरॉ टीम की कोच पुलेनो नेइखा पूरी तरह से पीएम मोदी की इस सोच से सहमत हैं।

पुलेनो के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में नगालैंड में खेलों का प्रभाव साफ दिखाई देने लगा है और भारत सरकार की यह अनूठी पहल राज्य की लड़कियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने जा रही है।

सेपक टकरॉ नगालैंड का सबसे लोकप्रिय खेल है। इसकी शुरूआत 1995 में शारीरिक शिक्षा अध्यापक होल्से खारियो द्वारा एक मनोरंजन गतिविधि के रूप में की गई थी, जिसे

'गोवा नेशनल गेम्स और सीनियर नेशनल्स में पदक जीतने के बाद सरकार ने खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार दिए

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने तकनीकी सहायता प्रदान की थी। तब से यह खेल राज्य में लगातार विकसित हुआ है और अब बड़ी संख्या में लड़के और लड़कियां इसमें पंजीकृत हैं।

वर्ष 2004 से राज्य सरकार ने दीमापुर में सेपक टकरॉ के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की। पुलेनो, जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी और 2018 एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कोच रह चुकी हैं, वर्तमान में इसी अकादमी में लड़कियों को प्रशिक्षित कर रही हैं। उनकी टीम की छह लड़कियां वर्तमान में नगालैंड पुलिस में कार्यरत हैं, जिनमें से तीन को

फोटोः हि.स.

सेपक टकरॉ में उपलब्धियों के कारण नौकरी मिली है।

पुलेनो ने साई मीडिया से कहा, 'हमारी लड़कियों ने हर स्तर पर पदक जीते हैं। हमने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण में कांस्य पदक जीता। इससे पहले गोवा नेशनल गेम्स और इस साल जनवरी में सीनियर नेशनल्स में भी पदक जीते। इसके अलावा हमारे लड़के और लड़कियां बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कई पदक जीत चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारे खिलाड़ी हर खेलो इंडिया आयोजन में लगातार पदक ला रहे हैं। अब जब भारत सरकार ने बीच गेम्स शुरू किए हैं, तो मुझे लगता है कि यह हमारे बच्चों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा।'

पुलेनो ने साझा किया कि नागालैंड में सेपक टकरॉ को एक स्वीकृत खेल के रूप में व्यापक पहचान मिली है और राज्य सरकार इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, 'गोवा नेशनल गेम्स और सीनियर नेशनल्स में पदक जीतने के बाद सरकार ने खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार भी दिए। यह खेल लगातार खेलो इंडिया मंच पर शामिल हो रहा है और अब बीच गेम्स के पहले संस्करण में इसकी भागीदारी यह दशार्ती है कि यह देशभर में लोकप्रिय हो रहा है। इससे खिलाड़ियों को भविष्य में बड़ा लाभ मिलेगा।'

दीव में नगालैंड दल के प्रमुख और दीमापुर के खेल निदेशक केटोसे थियोसिकोसे ने बताया कि सेपक टकरॉ के लिए ग्रामीण प्रतिभा खोज कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम ग्रामीण क्षेत्रों में कोचिंग कैंप लगाते हैं और हमारे ज्यादातर खिलाड़ी वहीं से आते हैं। दीव में खेल रहीं अधिकांश लड़कियां ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं। हम इन्हें 10 से 14 वर्ष की उम्र में अकादमी में शामिल करते हैं, जहां ये वर्षों तक अभ्यास करती हैं। बच्चों को खुले मैदानों में प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे रेत पर खेलने के लिए बेहतर तरीके से अनुकूल हो जाते हैं।'

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का जीता स्वर्ण

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
दीव

हरियाणा और दिल्ली ने बुधवार को खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में क्रमशः महिला और पुरुष ट्रीयो टीम फाइनल में पारंपरिक सेपक टकरा की ताकतवर मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शीर्ष सम्मान हासिल करने के लिए उत्साह और युवा जोश से भरपूर प्रदर्शन किया।

मैच के बाद मोनिका ने कहा, 'टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया।' उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह प्लेटफॉर्म हमें काफी बढ़ावा देगा।

पुरुष वर्ग में दिल्ली ने रोमांचक फाइनल में मणिपुर को 2-1 से हराया। दिल्ली टीम के कप्तान 35 वर्षीय संदीप कुमार ने बताया कि अचानक परिस्थितियों में आए बदलाव ने कैसे अहम भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के किनारे मजनू का टीला के पास टीम के साथ अभ्यास करने वाले संदीप ने कहा, बारिश से पहले हम पहला रेगुलेशन हार गए थे, लेकिन मौसम हमारे पक्ष में हो गया। उन्होंने कहा, खेलो इंडिया बीच गेम्स एक बेहतरीन मौका है। हम स्वर्ण जीतने के स्पष्ट लक्ष्य के साथ आए थे। मणिपुर हमेशा से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है, लेकिन हम भी मजबूत हैं। दोनों टीमों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई स्वर्ण पदक साझा किए हैं। मणिपुर के लिए दो उलटफेर का मतलब दो रजत पदक हैं। नागालैंड और उत्तर प्रदेश ने महिलाओं की स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि असम और तमिलनाडु ने पुरुषों की स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

एशिया कप जूडो प्रतियोगिता में कोंडागांव की रंजीता उज्बेकिस्तान में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी (हि.स.)
जगदलपुर

फोटोः हि.स.

अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ के द्वारा उज्बेकिस्तान के तस्कीन में उज्बेकिस्तान जूडो संघ द्वारा एशिया कप जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 25 मई तक किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की कुमारी रंजीता कुरेटी 52 किलो वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जिला जूडो संघ बस्तर के सचिव एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल मोईन ने बुधवार को प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई की स्पोर्ट्स ऑफिसर, राष्ट्रीय जूडो चैंपियन, ब्लेक बेल्ट थर्ड डॉन और अंतरराष्ट्रीय निर्णायक किरण राव भी उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने उज्बेकिस्तान रवाना हो गई हैं। रंजीता कुरेटी और किरण राव दोनों आज बुधवार रात को उज्बेकिस्तान पहुंच जायेंगी। इन दोनों की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, सरजीत सिंह बक्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में पटना (बिहार) में सम्पन्न खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में रंजीता ने हिमाचल, महाराष्ट्र, दिल्ली के खिलाड़ियों को हराकर कर फाइनल में मध्यप्रदेश की नैंसी को पराजित कर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया था।

प्रणय और करुणाकरण दूसरे दौर में, सिंधु बाहर

नई दिल्ली। मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत के एच.एस. प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। प्रणय ने दिन की शुरूआत करते हुए जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। यह मैच एक घंटे 22 मिनट तक चला। इसके बाद सतीश करुणाकरण ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए ताइवान के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष खिलाड़ियों के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी ब्रायन यांग (कनाडा) को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में पी.वी. सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। वह सुपर 500 श्रेणी के इस टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

मध्य प्रदेश लीग की शुरूआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

एजेंसी (हि.स.)
ग्वालियर

फोटोः हि.स.

शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीजन शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है।

पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेजबानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है।

मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा, प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं। इसके अलावा दो नई पुरुष टीमों और पहली बार महिला लीग की शुरूआत के चलते ये हमारे हमारे लिए और भी खास हो गया है।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उतरेंगी भारतीय महिला बॉक्सर

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार भारतीय महिला मुक्केबाज अंतरराष्ट्रीय रिंग में उतरने के लिए तैयार हैं। भारतीय बॉक्सर दो बड़े टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगी। थाईलैंड ओपन 24 मई से बैंकॉक में खेला जाएगा, जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का आयोजन 30 जून से अस्ताना, कजाखस्तान में किया जाएगा। भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन (बीएफआई) की नई चयन नीति के अनुसार, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में राष्ट्रीय चैंपियन उतरेंगी, जबकि थाईलैंड ओपन में रजत पदक विजेताओं को मौका मिलेगा। यह चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला दोनों वर्गों पर समान रूप से लागू की गई है। ओलंपिक साइकिल के दौरान बीएफआई के राष्ट्रीय कैंप्स में देरी और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कई बार स्थगित किए जाने के चलते भारतीय मुक्केबाजों को एशियन चैंपियनशिप और स्ट्रैंडजा मेमोरियल जैसे अहम टूर्नामेंटों से बाहर रहना पड़ा। पुरुष बॉक्सर्स ने अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के जरिए वापसी कर ली थी, लेकिन महिलाओं के राष्ट्रीय मुकाबले मार्च के अंत में आयोजित होने के कारण उन्हें देर से मौका मिला।

पीकेएल 2025: गुजरात जाइंट्स के जयवीर शर्मा बने नए हेड कोच

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

फोटोः हि.स.

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 की प्लेयर ऑक्शन 31 मई से एक जून तक होने वाली है। इसके पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जाइंट्स ने नए सत्र के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए अपनी कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। जयवीर शर्मा को गुजरात जाइंट्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है, जबकि वरिंदर सिंह संधू असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे।

तीन दशकों से अधिक अनुभव वाले जयवीर भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं। वह चैंपियनशिप जीतने वाले कोच हैं और उनके पास शानदार रिकॉर्ड के साथ गहन तकनीकी समझ भी है।

1992 से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के साथ काम कर रहे जयवीर ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के करियर को आकार दिया है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों, कबड्डी वर्ल्ड कप और कई बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीते हैं।

जयवीर शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, 'गुजरात जाइंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मैं टीम में एक निडर और विनम्र सोच विकसित करना चाहता हूं, ताकि हम पीकेएल में सबसे मजबूत दावेदार बन सकें। अदानी स्पोर्ट्सलाइन का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह अवसर दिया। मैं ऑक्शन और टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।'

2017 से पीकेएल में खेल रही गुजरात जाइंट्स ने कई सितारों जैसे रोहित गुलिया, सचिन तंवर, सुनील कुमार, पर्वेश भैंसवाल और पवन सहरावत को निखारा है, जो लीग के अहम खिलाड़ी बन गए हैं।

गर्मियों में बनाये जाने वाली 10 ठंडी ड्रिंक्स

गर्मियों का मौसम एक ऐसा मौसम होता है, जब सभी का दिल कोई भी ठंडी ड्रिंक पीने का करता है। बाहर गर्मी में हमारे शरीर में डीहाइड्रेशन होने लगता है, जिसकी वजह कम पानी पीना हो सकता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि हमारे शरीर को कब और कितने समय में हाईड्रेट करना जरूरी है। कई ऐसे विकल्प हैं, जिनकी मदद से आप यह कार्य कर सकते हैं। यह हेल्दी होने के अलावा औषधीय गुण से भरे हैं। कोई भी परिवर्तित ड्रिंक पीने की जगह अगर आप इन ड्रिंक्स को तैयार करके पैक करें, तो बाहर की गर्मी से छुटकारा पा सकते हैं। मार्केट में मिलने वाली ड्रिंक्स में भारी मात्रा में चीनी और कैलोरी होती है और पोषक तत्व कम होते हैं। गर्मियों में जब भी आप घर से बाहर जाते हैं, तो हमेशा ड्रिंक्स के लिए हेल्दी विकल्प ही खोजना प्रिफर करें। थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहे, बैग में फल और पानी युक्त सब्जियों को रखें जैसे खीरा, नींबू और खट्टे फल आदि।गर्मियों के मौसम में दही भी काफी अच्छा विकल्प है। यह सभी चीजें आपके सिस्टम को ठंडा रख पाचन क्रिया में काफी मददगार साबित होंगी। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ ऐसी ही 10 रेसिपी, जो आपकी प्यास को बुझाते हुए शरीर के लिए हेल्दी रहेंगी।

वर्जिन कुकुंबर कुलर

आम पन्ना

अदरक लीची लेमनएड

जिनी इन अ बॉटल

अदरक फिज

ग्वावा ठंडाई

ठंडा जलजीरा

जसवंत शरबत

मिंट लस्सी

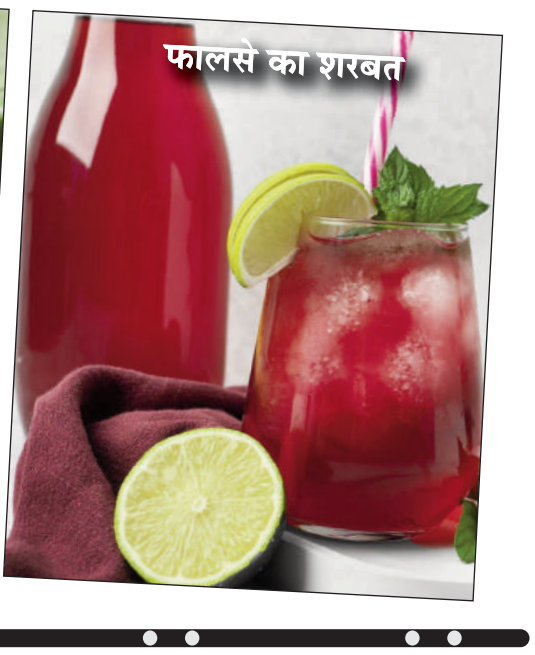
फालसे का शरबत

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने राजभवन कर्मचारियों के मेधावी छात्रों को मान्यता प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया

राजभवन कर्मचारियों के मेधावी छात्रों को 7.95 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राजभवन के गुरु नानक ऑडिटोरियम में आयोजित एक सादे समारोह में, पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक, श्री गुलाब चंद कटारिया ने राजभवन के ग्रुप ह्यबीह्व, ह्यसीह्व और ह्यडीह्व कर्मचारियों के 16 मेधावी छात्रों को 2023-24 सत्र की कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाओं में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। इसके अलावा, राज्यपाल ने ठएएळ/खएए के इच्छुक छात्रों, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों (कक्षा 12 के बाद) में नामांकित छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्नातकोत्तर छात्रों को भी पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने छात्रों की कड़ी मेहनत और लगन की सराहना की और उनके परिवारों के समर्पण और त्याग की गहरी सराहना की। उन्होंने कहा कि राजभवन उनके लिए एक परिवार की तरह है, जिसमें चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों से लेकर प्रथम श्रेणी के अधिकारियों तक सभी कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस परिवार के मुखिया के रूप में यह सुनिश्चित करना उनका कर्तव्य है कि सभी सदस्यों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायता मिले, खासकर अपने बच्चों को शिक्षा और उससे आगे की पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाने में।

राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल शैक्षिक आकांक्षाओं का समर्थन करने और भविष्य के नेताओं को पोषित करने की एक सतत परंपरा की शुरूआत है। राज्यपाल ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ₹शिक्षा बोझ नहीं, बल्कि एक बड़ा अवसर है। बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें और एक समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें।₹ उन्होंने आगे घोषणा की कि शिक्षा और खेल के क्षेत्र में राजभवन कर्मचारियों के छात्रों को प्रेरित करने के लिए इस कार्यक्रम को एक वार्षिक विशेषता बनाया जाएगा।

राज्यपाल ने पांच श्रेणियों में वितरित 7,95,850 रुपये की राशि के मान्यता प्रमाण पत्र और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए माननीय राज्यपाल के विवेकाधीन अनुदान के माध्यम से समर्थित इस पहल का उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रेरित करना और छात्रों की शैक्षिक यात्रा में वित्तीय बाधाओं को कम करना है।

पुरस्कार की मुख्य विशेषताएं:

70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10 के छात्रः प्रत्येक को 11,000 रुपये (7 छात्र)

70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 12 के छात्रः प्रत्येक को 21,000 रुपये (9 छात्र)

अभ्यर्थीः कोचिंग फीस का 30% प्रतिपूर्ति (3 छात्र; कुल 69,500 रुपये)

व्यावसायिक पाठ्यक्रम (कक्षा 12 के बाद): वार्षिक फीस का 30% (14 छात्र; कुल 4,54,950 रुपये)

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले स्नातकोत्तरः रु. 5,400 की सहायता प्रदान की गई

आज सम्मानित मेधावी छात्रों की सूची में शामिल हैंः कक्षा 10 (70% से ऊपर): प्रभजोत सिंह, रूहदीप कौर, अनमोल सिंह, इशांत जसवाल, तन्नु यादव, आकांशा, तृप्ति यादव

कक्षा 12 (70% से ऊपर): तानिया, भारती मेहरा, मयंक, आर्य सिंह, हर्ष गुप्ता, संजना, मनदीप साहू, ईशा, खुशबू।

पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकताओं ने की श्रद्धांजलि अर्पित

संवाददाता
रायपुररानी

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रायपुररानी में एक विशेष जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और समाज के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष फोमलाल फिरोजपुर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए राजीव गांधी द्वारा पंचायती राज प्रणाली को सशक्त बनाने के प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने पंचायती राज को संविधानिक दर्जा दिलाकर न केवल ग्रामीण भारत को सशक्त किया, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। उनका विजन आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन सुनील शर्मा और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश सचिव अशवनी नागरा, कमालदीन सुल्तानपुर ने भी राजीव गांधी के योगदान की सराहना की।

भू-माफिया ने बरसाती नाले को मिट्टी से भरकर रोका

हाईकोर्ट के वकील ने मुख्य सचिव पंजाब समेत विभिन्न विभागों को जारी किया नोटिस

संवाददाता
डेराबस्सी

डेरा बस्सी-बरवाला रोड पर जीबीपी सुप्रिया सोसायटी के पास बिल्डर द्वारा बरसाती नाले को मिट्टी से भरकर रोकने और अपनी मर्जी से उसका मार्ग बदलने का मामला प्रकाश में आने के बाद ड्रेनेज विभाग और डेरा बस्सी प्रशासन ने चुप्पी साध ली है। इस मामले की खबर प्रकाशित होने के बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के वकील सुनैना और निखिल थमन ने मुख्य सचिव पंजाब, डीसी मोहाली, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समेत अन्य विभागों को नोटिस भेजकर कहा है कि बरसाती नाले को मिट्टी से भरकर रोकना और उसका मार्ग बदलना गैरकानूनी है। यह माननीय सुप्रीम कोर्ट, माननीय एनजीटी और माननीय हाईकोर्ट के आदेशों की उल्लंघना है। उन्होंने कहा कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे पुराने रास्ते पर लाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। बिल्डर के खिलाफ उचित कार्रवाई की भी मांग की गई है। उन्होंने कहा कि डेराबस्सी क्षेत्र में बहने वाले अधिकतर बरसाती नालों को भू-माफिया ने अपनी मर्जी से बंद कर दिया है या बदल दिया है। इस कार्य से बाढ़ आती है और जान-माल का नुकसान होता है। इसे ध्यान में रखते हुए डेराबस्सी में सभी प्राकृतिक नालों की उचित मैपिंग और संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। कहा गया है कि अधिकारियों को पानी के बहाव को उसके पुराने प्राकृतिक रास्ते पर लाने के लिए भी कदम उठाने के निर्देश दिए जाने चाहिए। डेराबस्सी क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से इस तरह की मनमानी चल रही है। विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है। इसमें बड़े स्तर पर मिलीभगत है। इस बारे में जब ड्रेनेज विभाग के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन उठाना भी उचित नहीं समझा। उधर, नगर कौंसिल अध्यक्ष आशु उपनेजा ने कहा कि मौके पर टीम भेजकर जांच करवाई जाएगी।

क्षेत्र के विभिन्न स्कूली बच्चों को मलेरिया और डेंगू के बारे में जागरूक किया गया

संवाददाता
कालका

सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर राजीव नरवाल की अध्यक्षता में सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका क्षेत्र के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग की और से पापलोहा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खेड़ा वाली के सीनियर सेकेंडरी स्कूल और राजकीय मिडिल स्कूल नांगल भागा में मलेरिया और डेंगू के बारे में बच्चों को बताया गया। स्कूल में बच्चों को डेंगू व मच्छर जनहित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया, साथ ही मच्छर से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया। विभाग ने बताया की घरों में जैसे कि कूलर, टंकी, हौदी आदि को सप्ताह में एक बार जरूर साफ करें। घरों के आस पास पानी को इक्ट्ठा न होने दें। पानी से भरे गढ़ों में मिट्टी डालें या काला तेल या फिर सरसों का तेल डालें और हर रविवार को सूखा दिवस मनाएं। पानी के बर्तनों, टंकी, फ्रिज ट्रे, गमले इत्यादि को खाली करके सुखाएं ताकि मच्छर के अंडे एवं लारवा मर जाएं। मच्छर के काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें और घरों में मच्छर दानी एवम जाली का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि डेंगू से संबधित लक्षण होने पर आप सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका में अपना टैस्ट करवाएं। सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका की तरफ से राहुल एमपीएचडब्लू , रिटायर जगत सिंह हेल्थ इंस्पेक्टर के द्वारा स्कूल के बच्चों को जागरूक किया गया।

चिन्मय मिशन ने बेसहारा अनाथ युवती का घर बसाया

संवाददाता
चंडीगढ़

चिन्मय मिशन, चण्डीगढ़ द्वारा संचालित बाल सदन अनाथ और बेसहारा बेटियों को सुरक्षित घर, शिक्षा और संस्कार दे रहा है। चिन्मय आश्रम के सेक्टर-10 स्थित बाल सदन में एक 21 वर्षीय बेसहारा अनाथ युवती रितु का एमसी में कार्यरत एक युवक शुभम से विवाह करवाया गया। आश्रम में रितु की अच्छी देखभाल की गई और उसका पालन-पोषण और शिक्षा आश्रम में ही हुई। सरंक्षक सुश्री ललिता प्रकाश और चंद्र प्रकाश ने कन्या दान किया। उन्होंने बताया कि विवाह पूरी रस्मों के साथ किया गया तथा इसके अलावा उन्होंने वैवाहिक जीवन के लिए सभी जरूरी सामान भी दिया। चिन्मय मिशन का पंचकूला में भी बाल सदन है। मिशन की ओर से अब तक 42 बेसहारा युवतियों का विवाह कराया जा चुका है। यह भवन 2007 में पिक्की पंवार ने दान दिया था।

2020 में यह चिन्मय मिशन के पास आया। मिशन की जनरल सेक्रेटरी सुश्री कल्पना घई 1995 से मिशन से जुड़ी हैं तथा वे सदन के सुचारू संचालन का ध्यान रखती हैं। उन्होंने डॉ. कुमार के साथ मिलकर सेक्टर-12 पंचकूला में भी एक बाल सदन शुरू किया। यहां भी अनाथ बेटियों की देखभाल की जा रही है।

चिन्मय मिशन, धर्मशाला के प्रमुख स्वामी स्वरूपानंद हैं। मिशन के स्वामी समय-समय पर चंडीगढ़ केंद्र में प्रवचन देने आते हैं। मिशन के मुख्य संरक्षक कल्पना घई, सुधा बंथ, ललिता प्रकाश, नरजीत सिंह, शालिनी रावत, अरुण अलमादी और अनुभव तिवारी हैं। ये सभी बेटियों के सामाजिक उत्थान और सशक्तिकरण के लिए समर्पित हैं।

उपायुक्त ने जिला सड़क सुरक्षा समिति व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

डीसीपी को ओवर स्पीड, रैड लाईट जंप, रैश ड्राईविंग करने वालों के खिलाफ चालान करने के दिए निर्देश

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्रीमती मोनिका गुप्ता ने लघु सचिवालय के सभागार में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति व सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सड़क सुरक्षा व यातायात प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिव आरटीए हैरतजीत कौर ने उपायुक्त को विस्तार से बारी बारी से सभी विभागों की जानकारी दी। उपायुक्त ने डीसीपी क्राईम अमित कुमार को निर्देश देते हुए माजरी चैंक, ओल्ड पंचकूला रोड पर टैजफिक की मूवमेंट पर नजर रखने के निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उपायुक्त ने पीएमडीए को पुराना पंचकूला पर बल्लियां सात दिनों में लगवाने के व पीर बाबा, शाईन बोर्ड लगवाने के निर्देश दिए। उन्होने सैक्टर 20,21 की रेड लाईट का एसीपी टैजफिक, एक्सईएन पीएमडीए को मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व पीएमडीए को एमडीसी में लटकते हुए पेडों को ठीक करने व अपने क्षेत्र में कार्यो को पूरा करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने पीडब्लयूडी बीएंडआर के एक्सईएन को संबंधित क्षेत्र में जंहा जंहा जरूरत है, वंहा पर रिफलैक्टर मिरर (कोनवैक्स मिरर)लगाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने एचएसवीपी को रेड लाईट दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने नगर निगम को सेक्टर 14, गर्ल्ज कालेज में रंबल स्ट्रीप्स लगाने के निर्देश दिए ताकि वाहनों की स्पीड कम हो सके और कालेज के विद्यार्थी आसानी से सडक पार कर सके। उपायुक्त ने नगर निगम को शहर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे दुरूस्त करने के निर्देश दिए व टैजफिक पुलिस को कौन से कैमरे बंद है, कौन से कार्य कर रहे है इसकी रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने एसीपी टैजफिक को रैश ड्राईविंग, ओवर स्पीड, रैड लाईट क्रॉस करने, नशा करके गाडी चलाने वाले लोगों के खिलाफ ड्राईव चलाकर ज्यादा से ज्यादा चालान करने के निर्देश दिए ताकि इन लोगों की वजह से अन्य लोगों का बचाव किया जा सके। उन्होने आरटीए सचिव हैरतजीत कौर को सभी स्कूलों के वाहनों में सीसीटीवी कैमरे, वाहनों के पाल्यूशन, आर सी की मियाद खत्म वाले वाहनों की चालानिंग व उनकों बंद करने के निर्देश दिए। उन्होने टैजफिक इंस्पेक्टर को मौके पर जाकर सैक्टर-8 की पार्किंग के अलावा अन्य स्थान पर खडी स्कूल बसों के चालान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने एनएचएआई को अपने क्षेत्र में बलिंकिंग लाईट, शाईन बोर्ड, दुघर्टना संभावित क्षेत्र व लाईटें दुरूस्त करने के निर्देश दिए। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी को रेडक्रास के साथ समन्वय स्थापित कर स्कूल बस कंडक्टरों की टैजनिंग करवाने के व एसडीएम पंचकूला को स्कूल बसों की समय समय पर चैकिंग करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम संयम गर्ग, नगराधीश विश्वनाथ, जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक, जिला वन अधिकारी विशाल कौशिक, रेडक्रास समिति की सचिव सविता अग्रवाल, जिला खेल अधिकारी नीलकमल, आरओ पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड सुधीर मोहन, एचएसवीपी, पीडब्ल्यूडी, पीएमडीए, एनएचएआई, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-1, 14 के प्रतिनिधी सहित परिवहन विभाग के कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

तेज आंधी में सेक्टर-22 में चलती कार पर गिरा पेड़, चालक बाल-बाल बचा

चंडीगढ़। बुधवार शाम शहर में अचानक बदले मौसम और तेज आंधी-तूफान ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। सेक्टर-22 स्थित पेट्रोल पंप के पास एक चलती कार पर अचानक पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि हादसे में कार चालक बाल-बाल बच गया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। तेज हवाओं के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ टूटकर गिर गए, जिससे यातायात बाधित हुआ। सेक्टर-22 में हुई इस घटना के बाद इलाके में लंबा जाम लग गया और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और गिरे पेड़ को हटाने का कार्य शुरू किया गया, ताकि यातायात को जल्द सुचारू किया जा सके। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी तेज हवाएं और बारिश की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

82 वर्षीय मुरलीधर मृत्यु के बाद दे गये दो लोगो जीवन को रोशनी

डेराबस्सी। 82 वर्षीय मुरलीधर जिंदल पुत्र मातुराम निवासी दादपुरा मोहल्ला डेराबस्सी आज परणोपरांत नेत्रदान कर दो लोगो के अंधकारमह जीवन में रोशनी दे गये।मुरलीधर जिंदल पिछले काफी समह से बीमार चल रहे थे।मुरलीधर जिंदल अपने पीछे दो बेटे मनोज जिंदल और विवेक जिंदल सहित पोते पोतियो से भरपूर परिवार छोड़ कर गये हैं।लायंस क्लब के उपेश बंसल ने बताया कि लायंस क्लब की प्रेरणा से परिवार वालों की सहमति से यह नेत्रदान की परिक्रिया पीजीआई से आये डॉक्टर्स द्वारा की गई।उपेश बंसल ने बताया कि लायंस क्लब अब तक 24 लोगो के नेत्रदान करवा चुका हैं जिससे की 48 लोगो के अंधकारमह जीवन में रोशनी हुई।उन्होंने बताया कि अकेले ट्राइसिटी में 1800 से ज्यादा लोग बिना आँखों के अंधकारमह जीवन जी रहे हैं उन्होंने लोगो से अपील की कि वो नेत्रदान बारे लोगो को ज्यादा से ज्यादा अवेयर करे जिससे की लोगो के जीवन में रोशनी की जा सके।मुरलीधर जिंदल का अंतिम संस्कार आज राम बाग में किया गया।जिसमे राजनीतिक , धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं समेत डेराबस्सी से काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

अफसाना खान का नया गाना दिल मेरा लौटा दो रिलीज हुआ

चंडीगढ़। भावनात्मक रूप से समृद्ध और असरदार म्यूजिक के लिए मशहूर लेट्स गेट लाउडर (एलजीएल), जो आईएन10 मीडिया नेटवर्क का हिस्सा है, ने अपना नया गाना दिल मेरा लौटा दो रिलीज किया है। इस दिल को छू लेने वाले गीत को दमदार और भावनात्मक आवाज की मलिका अफसाना खान ने गाया है। यह गाना प्यार में धोखे और बिछड़ने के दर्द को बयां करता है और अब सभी प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। टेलीविजन के चहेते साईं केतन राव और इंस्टाग्राम सेंसेशन ईशा अग्रवाल के साथ यह म्यूजिक वीडियो प्यार की नाजुकता और दिल टूटने के बाद की भावनात्मक उथल-पुथल को दशार्ता है, जो गाने की कहानी में और भी गहराई लाता है। अफसाना खान, जिन्होंने इस गाने को अपनी विशिष्ट गहराई और भावनाओं से सजाया है, ने कहा कि सालों इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी दिल मेरा लौटा दो जैसे गाने मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती देते हैं। दिल टूटने में एक सच्चाई होती है जिसे झूठा नहीं दिखाया जा सकता, उसे महसूस करना पड़ता है ताकि आप उसे सही तरीके से जाहिर कर सकें। इस ट्रैक ने मुझे एक बार फिर उन गहराई से जुड़ी निजी भावनाओं की ओर खींच लिया और मुझे याद दिलाया कि मैंने गाना शुरू ही क्यों किया था। लेट्स गेट लाउडर जैसे म्यूजिक लेबल के साथ काम करना, जो कच्चे और भावनात्मक संगीत की ताकत को सच में समझता है, एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। रिलीज के पीछे अपनी सोच साझा करते हुए लेट्स गेट लाउडर की सीईओ, रजित्ता हेमवानी ने कहा कि दिल मेरा लौटा दो एक ऐसा संगीत अनुभव है जो सच्ची, अनफिल्टर्ड भावनाओं में रचा-बसा है और हमें यकीन है कि हर श्रोता इससे जुड़ाव महसूस करेगा। लेट्स गेट लाउडर में हमारा उद्देश्य ऐसी कहानियाँ पेश करना है जो पीढ़ियों तक लोगों के दिलों को छू सकें। हम हर तरह के दर्शक की भावनाओं को ध्यान में रखकर काम करते हैं। जबकि विभिन्न आयु वर्गों और संवेदनाओं के बीच ऐसा कंटेंट पेश किया जाता है जो एक गहरी छाप छोड़ता है। इसी के साथ, लेट्स गेट लाउडर की उच्च-गुणवत्ता वाले, मौलिक संगीत के प्रति अटूट प्रतिबद्धता उस सोच के साथ मेल खाती है, जिसका उद्देश्य हर महीने लगभग एक नया ट्रैक जारी करते हुए प्रभावशाली रचनाओं की निरंतर श्रृंखला बनाए रखना है। आईएन10 मीडिया नेटवर्क का हिस्सा होने के नाते, लेट्स गेट लाउडर एक सशक्त गति से आगे बढ़ रहा है, गैर-फिल्मी संगीत जगत में एक अलग पहचान बनाते हुए जहां यह अनोखी आवाजों, भावनात्मक रूप से प्रभावशाली कहानियों और प्रामाणिक कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता है।

प्रतिष्ठित अधिवक्ता उत्सव बैंस कानून के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित टाइम्स बिजनेस अवार्ड से सम्मानित

चंडीगढ़। चण्डीगढ़ के प्रतिष्ठित वकील उत्सव बैंस को कानून के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए टाइम्स बिजनेस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। एक समारोह में उन्हें ये अवॉर्ड दिया गया। बैंस दिल्ली उच्च न्यायालय और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में एनसीबी के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में कार्यरत हैं और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वकील भी हैं। सर्वोच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए दिल्ली राज्य औद्योगिक और अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) और पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के लिए चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के समक्ष भी उन्होंने कई मुकदमे लड़े हैं। बैंस को हाई-प्रोफाइल आतंकवाद विरोधी मामलों में पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए पहचान मिली। उनके उल्लेखनीय मामलों में 2019 का पुलवामा आतंकी हमला, 1993 का बॉम्बे बम विस्फोट, 26/11 का मुंबई आतंकी हमला और कश्मीरी पंडितों की हत्या के आरोपी बिट्टा कराटे से जुड़े मामले शामिल हैं। बैंस ने पंजाब विश्वविद्यालय से अपनी कानून की पढ़ाई पूरी की और 2013-14 से हार्वर्ड लॉ स्कूल में विजिटिंग रिसर्चर थे। बैंस एक प्रतिष्ठित कानूनी परिवार से आते हैं। वह पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के दिवंगत न्यायमूर्ति अजीत सिंह बैंस के पोते और वरिष्ठ अधिवक्ता और आपराधिक मामलों के विशेषज्ञ प्रसिद्ध वकील राजविंदर सिंह बैंस के बेटे हैं।

बरवाला रोड पर पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की समस्या

डेराबस्सी। डेराबस्सी-बरवाला रोड पर स्थित भगत सिंह नगर और गुरबख्श कॉलोनी में रहने वाले लोग इस समय गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं। इलाके में पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने से लोग बेहद परेशान हैं। यह समस्या पिछले एक साल से नेशनल हाईवे बरवाला रोड पर चल रहे काम के कारण आई है, जिसके दौरान पानी और सीवरेज की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। सीवरेज की पाइपें फटने के कारण गंदा पानी पीने के पानी में मिल गया है। इस गंभीर मामले को लेकर भगत सिंह नगर और गुरबख्श कॉलोनी के निवासियों ने नगर परिषद डेराबस्सी पर रोष जताते हुए प्रदर्शन किया। लोगों ने कहा कि गर्मी के मौसम में साफ पानी न मिलने से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को खास तौर पर काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब यह मामला हलके के माननीय विधायक श्री कुलजीत सिंह रंधावा के संज्ञान में आया तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष, अधिकारियों और राष्ट्रीय राजमार्ग बरवाला रोड पर काम कर रहे संबंधित अधिकारियों के साथ मुख्यालय डेराबस्सी में आपात बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर मौके पर भेजने के आदेश दिए और निर्देश दिए कि समस्या का जल्द से जल्द पूर्ण समाधान किया जाए। विधायक रंधावा ने कहा कि यह सिर्फ पानी का मामला नहीं है, यह लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा मामला है। सूचना मिलते ही मैंने तुरंत कार्रवाई की है और नगर परिषद को कहा है कि जो भी नुकसान हुआ है, उसे तुरंत ठीक किया जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र में बरवाला रोड के निर्माण का मुद्दा बार-बार उठाने के बाद पहली बार इस रोड का निर्माण पूरी तरह से किया जा रहा है, जिसमें पानी की निकासी का काम भी शामिल है। इसके बाद नगर परिषद ने टीम मौके पर भेजकर लाइनों का निरीक्षण शुरू कर दिया है और क्षतिग्रस्त पाइपों को ठीक करने का काम चल रहा है। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि माननीय विधायक की रुचि के चलते जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा।